दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 271

ग्वालियर, सोमवार 20 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

अग्निपथ स्कीम नहीं होगी वापस, सैनिकों और अग्निवीरों में कोई अंतर नहीं ~ ले. जनरल अनिल पुरी

प्रदर्शन करने वालों को भी कड़ा संदेश

नई दिल्ली। सेना में सैनिकों के भर्ती के लिए केंद्र सरकार द्वारा लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में देश उबल रहा है। इस योजना की वजह से पिछले 4 दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। इन सब के बीच आज सेना की ओर से एक संवाददाता सम्मेलन किया गया। इस सम्मेलन में अग्निवीरों को लेकर उठ रहे सवालों का सारा जवाब सेना की ओर से देने की कोशिश की गई है। आपको बता दें कि अग्निपथ योजना के तहत बहाल होने वाले जवानों को अग्निवीर की उपाधि दी गई है। सेना की ओर से साफ तौर पर कहा गया है कि हम सेना में युवाओं को ज्यादा शामिल करना चाहते हैं ताकि सेना की औसत उम्र 32 साल से कम होकर 26 साल की जा सके। सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी ने एक संवाददाता सम्मेलन किया। अनिल पुरी फिलहाल डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स में एडिशनल सेक्रेटरी हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि इस योजना पर 1989 से विचार चल रहा था। उन्होंने यह भी साफ कह दिया है कि योजना वापस नहीं ली जाएगी। सेना की ओर से कहा गया है कि इसे लागू करने के लिए पहले कई देशों में सेना की नियुक्तियों और वहां के एग्जिट प्लान का भी अध्ययन किया गया है। साथ ही साथ लेफ्टिनेंट जनरल

अनिल पुरी ने अग्निवीरों के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव से इनकार किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अग्निवीरों को सियाचिन और अन्य क्षेत्रों में भी वही भत्ता मिलेगा जो वर्तमान में सेवारत नियमित सैनिकों पर लागू होता है। उन्होंने कहा कि जो कपड़े सेना के जवान पहनते हैं वही अग्निवीर पहनेंगे, हम जिस लंगर में खाना खाते हैं वहीं अग्निवीर भी खाएंगे। जहां हमारे सेना के जवान रहते हैं, वही अग्निवीर भी रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम सेना में जोश और होश के बीच तालमेल चाहते हैं। अग्निवीरों को सभी सुविधाएं जवानों की ही तरह मिलेंगे यह योजना युवाओं के लिए फायदेमंद है। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि देश की सेवा में बलिदान देने वाले अग्निवीरों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा मिलेगा। लेफ्टिनेंट जनरल अरुण पुरी ने कहा कि हर साल लगभग 17,600 लोग तीनों सेवाओं से समय से पहले सेवानिवृत्ति ले रहे हैं। किसी ने कभी उनसे यह पूछने की कोशिश नहीं की कि वे सेवानिवृत्ति के बाद क्या करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अनुशासन में भारतीय सेना की नींव है। आगजनी, तोड़फोड़ के लिए कोई जगह नहीं। प्रत्येक व्यक्ति एक प्रमाण पत्र देगा कि वे विरोध या बर्बरता का हिस्सा नहीं थे। पुलिस सत्यापन 100त्न है, उसके बिना कोई भी शामिल नहीं हो सकता है। हमने इस योजना को लेकर हाल में हुई हिंसा का अनुमान नहीं लगाया था। सशस्त्र बलों में अनुशासनहीनता के लिए कोई जगह नहीं है। सभी उम्मीदवारों को लिखित शपथ देनी होगी कि वे किसी भी आगजनी/हिंसा में शामिल नहीं हैं।

राजनाथ की थलसेना-नौसेना-वायुसेना के चीफ संग लगातार दूसरे दिन बैठक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के कई हिस्सों में अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच तीनों सेनाओं के प्रमुखों से रविवार को मुलाकात की। सिंह ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों के साथ इस मामले पर लगातार दूसरे

दिन बैठक की। बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि बैठक में प्रदर्शनकारियों को शांत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। सिंह ने आवश्यक योग्यता मानदंडों को पूरा करने वाले %अग्निवीरों% के लिए रक्षा मंत्रालय की नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को शनिवार को मंजूरी दी थी। गृह मंत्रालय ने भी नई भर्ती योजना के तहत चार साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में 10 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की है। भारतीय वायुसेना ने नई योजना के संबंध में रविवार को विस्तार से जानकारी दी। भारतीय नौसेना और थलसेना भी जल्द ही ऐसा कर सकती हैं।

असम में बाढ़ से हाहाकार, अब तक 62 लोगों की मौत, 30 लाख से अधिक प्रभावित, पीएम मोदी ने ली जानकारी

दिसपुर। असम में बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने एक बयान जारी कर जानकारी दी है कि पिछले 24 घंटे में बाढ़ और भूस्खलन से 8 और लोगों की मौत हो गई है। इसे मिलाकर अब तक राज्य में मरने वालों की कुल संख्या 62 हो गई है। आठ में से 2 लोग करीमगंज जिले में और 1 व्यक्ति हैलाकांडी जिले में भूस्खलन की वजह से जिंदा दब गया और मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाढ़ के पानी में डूबने से छह लोगों की जान चली गई।

राज्य के 32 जिलों में 4,291 गांवों में 30 लाख से अधिक प्रभावित हुए हैं। बीते शनिवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कई राहत शिविरों का दौरा किया। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम सरमा को फोन कर राज्य में बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री को केंद्र से राज्य को हर

संभव सहायता का आश्वासन दिया। सीएम इस बात की जानकारी खुद ट्वीट कर दी। उन्होंने बताया पीएम मोदी ने उन्हें सुबह 6 बजे बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी ली और प्राकृतिक आपदा की वजह से लोगों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताई।

इसी बीच सीएम सरमा ने राज्य के कामरूप जिले के रंगिया क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे दिए गए हैं कि वे फौरन संवेदनशील क्षेत्रों में रह रहे लोगों को राहत शिविरों से निकालें। सीएम ने यह भी कहा कि सेना मदद के लिए हमेशा तैयार हैं, वहीं एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के जवान लगातार प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचा रहे हैं। इधर राज्य के रोजई जिले में 113 बाढ़ प्रभावित लोगों को ले जा रही एक देसी नाव पलट गई, जिसकी वजह से एक महिला और चार साल के बच्चे की मौत हो गई। गुवाहाटी के कई इलाकों सहित कछार, करीमगंज, हैलाकांडी, गोलपारा, दक्षिण सलमारा, दीमा हसाओ और कामरूप जिलों के कुछ हिस्सों में भूस्खलन होने की खबर है। असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा में भी बाढ़ के कहर से लोगों को जूझना पड़ रहा है। केंद्र सरकार मेघालय में बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम भेजने जा रही है। त्रिपुरा में बीते शुक्रवार से लगातार हो रही बारिश की वजह से आई बाढ़ के कारण दस हजार से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए शनिवार को राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। वहीं मौसम विभाग ने 19 और 20 जून को मेघालय और असम में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

खास खबर

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में एक और नया आरोपी सामने आया

चंडीगढ़। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में एक और नए आरोपी का नाम सामने आया है। आरोपी का नाम मनमोहन सिंह है। बताया जा रहा है कि मनमोहन सिंह, जो कि मानसा जिले का रहने वाला है, ने भी सिद्धू मूसेवाला की रेकी की थी। उक्त शख्स पर आरोप लगे हैं कि पंजाब विधानसभा चुनावों के दौरान इस शख्स ने सिद्धू मूसेवाला की रेकी की थी, जिसके बाद अब पंजाब पुलिस ने मनमोहन सिंह पर भी शिकंजा कस दिया है। पता चला है कि पंजाब पुलिस मनमोहन सिंह को भी प्रोडक्शन वारंट पर ले आई है, जिससे इस मामले में पूछताछ की जाएगी। गौरतलब है कि मनमोहन सिंह ट्रक यूनियन का प्रधान भी रह चुका है। जिक्रयोग्य है कि पंजाब पुलिस द्वारा मूसेवाला हत्याकांड मामले में गैंगस्टर लारैंस बिश्नोई को रिमांड पर लिया हुआ है, जिसके बाद इस मामले में एक के बाद एक नए खुलासे सामने आ रहे हैं। पंजाब पुलिस 14 जून को लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब लेकर आई थी, जिसके बाद पंजाब पुलिस द्वारा लगातार लारैंस से पूछताछ जारी है, जिसमें लारैंस ने कई अहम खुलासे किए हैं। रिमांड में चल रहे लारैंस के और भी कई राज उगलने की संभावनाएं है।

उन्नाव में सड़क हादसा, 4 की मौत, 2 घायल

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसा होने से चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। र?विवार सुबह करीब पांच बजे लखनऊ से आगरा जा रहे ट्रक ड्राइवर को नींद आने के कारण अनियंत्रित होकर जाली को तोड़ते हुए वह दूसरी पट्टी में पहुंच गया। सामने से आ रही तेज रफ्तार कार उससे भिड़ गई। भीषण हादसे में कार पर सवार छह लोगों में से चार की मौके पर ही मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पहुंची यूपीडा की एंबुलेंस से सभी को लोक बंधु हॉस्पिटल लखनऊ पहुंचाया गया लेकिन चार लोग पहले ही सांस तोड़ चुके थे जिनको को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों में कार चवा रहे अखिलेश मिश्रा, पत्नी बबीता मिश्रा, बेटी प्रियांशु मिश्रा व भतीजी ज्योति मिश्रा शामिल है। संतोष मिश्रा व स्वरूप का इलाज चल रहा है। सभी बिहार के थाना शिवान क्षेत्र के रहने वाले हैं।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम कैमरून बोले- अगले कुछ दशक भारत के होने की संभावना

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से सबल होते भारत से पूरी दुनिया को काफी उम्मीदे हैं। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरून ने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि अगले कुछ दशक भारत के हो सकते हैं क्योंकि यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो वैश्विक विकास दर को भी बढ़ा रही है। कैमरून ने कहा, भारत के लिए तीनों मोर्चों पर एक वास्तविक विचारक नेता बनने का एक सही अवसर है। हम अपनी अर्थव्यवस्थाओं को कैसे विकसित करते हैं, हम कैसे साबित करें कि लोकतंत्र प्रासंगिक है और आज भी काम करता है, हम जलवायु परिवर्तन की समस्या से कैसे निपटते हैं- भारत इन तीनों चुनौतियों से निपटने में दुनिया का वास्तविक नेतृत्व कर सकता है। एक आयोजन में अपने संबोधन में पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के पास जो कौशल, ऊर्जा, बढ़ती अर्थव्यवस्था और नेतृत्व है, उसे देखते हुए अगले कुछ दशक भारत के हो सकते हैं। विश्व मंच पर नेतृत्व की स्थिति के लिए भारत की क्षमता पर कैमरून ने कहा, मुझे लगता है कि इस बात की पूरी संभावना है कि अगले कुछ दशक भारत के हो सकते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो आगे बढ़ रही है और वैश्विक विकास दर में भी वृद्धि कर रही है।

स्पाइसजेट के विमान में लगी आग, पटना एयरपोर्ट पर कराई गई सुरक्षित लैंडिंग

पटना। बिहार की राजधानी पटना से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लिए उड़ान भर रहे निजी विमान कंपनी स्पाइस जेट के विमान में अचानक आग लग गई। विमान में कई यात्री सवार हैं। बताया जा रहा है कि विमान की पटना एयरपोर्ट पर फिर से सुरक्षित लैंडिंग हो गई है। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि विमान के इंजन में आग लगी है। आग की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट

प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। विमान की सुरक्षित लैंडिंग होने के बाद यात्रियों को विमान से बाहर निकाला जा रहा है। पटना के एसएएसपी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जैसे ही विमान ने उड़ान भरी, तो उसके एक इंजन से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया गया। इसके बाद विमान की एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग करवाई गई। विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। विमान के इंजन में आग किस वजह से लगी इसका पता अभी नहीं चल पाया है। एयरपोर्ट के बाहर एंबुलेंस तैनात कर दी गई है, अगर जरूरत पड़ी तो तुरंत मेडिकल ट्रीटमेंट दिया जा सके। विमान में आग को बुझाने की कोशिश जारी है। एयरपोर्ट पर अतिरिक्त फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी बुलाई गई हैं।

बारिश से लुधियाना में छत ढही, 2 साल की बच्ची समेत 2 की मौत, 4 घायल

लुधियाना। पंजाब में भारी बारिश की वजह से एक मकान की छत गिर गई है। छत के मलबे में दबकर एक 25 वर्षीय युवक और उसकी दो साल की भतीजी की मौत हो गई जबकि परिवार के चार सदस्य घायल हो गए हैं। घटना लुधियाना शहर के बाहरी इलाके में बोहरा गांव में शनिवार तड़के हुई। घटना के समय परिवार के सभी लोग सो रहे थे, तभी अचानक छत नीचे आ गिरी और लोग दब गए। जोरदार आवाज सुनकर आए पड़ोसियों ने लोगों को मलबे से बाहर निकाला और अस्पताल ले गए। विजय कुमार अपने परिवार के साथ गांव में किराए के एक मकान में रहते हैं। मृतकों में उनके भाई 25 वर्षीय ननकू और उनकी 2 साल की भतीजी दिव्या शामिल हैं। दिव्या के पिता विजय कुमार ऑटो-रिक्शा चलाते हैं। एचटी के मुताबिक, उन्होंने बताया कि मैं अपनी बेटी दिव्या और छोटे भाई के साथ रात को छत पर सो रहा था। उसी दौरान बारिश आ गई और हम घर के अंदर चले गए। लगभग 4।30 बजे अचानक हमारी छत गिर गई। हम सभी मलबे के नीचे दब गए। पड़ोसियों ने हमारी चीख-पुकार सुनकर हमें बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि छत गिरने से जोरदार धमाका हुआ। उसकी आवाज सुनकर और शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। पड़ोसियों ने छह घायलों को मलबे से निकाला। उन्हें पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने ननकू और दिव्या की मौके पर ही मौत हो गई। विजय, उनकी पत्नी मधु और बेटी नंदिनी और रोशनी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छत गिरने की वजह बताते हुए विजय ने कहा कि छत गार्डर से बनी हुई थी। पुरानी हो गई थी और जर्जर हालत में थी। हमने मकान मालिक से कई बार उसकी मरम्मत करवाने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया और ये हादसा हो गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वडोदरा में गुजरात गौरव अभियान में भाग लिया

16,000 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में रेलवे कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वडोदरा में गुजरात गौरव अभियान में भाग लिया। उन्होंने राज्य में कुल 21,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर लाभार्थी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, केंद्रीय और राज्य के मंत्री, जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने 16,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्रप को समर्पित किया एवं आधारशिला रखी। इनमें डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 357 किलोमीटर लम्बेव न्यू पालनपुर-मदार खंड, 166 किलोमीटर लम्बेट अहमदाबाद-बोटाद खंड के आमान परिवर्तन, 81 किलोमीटर लम्बे पालनपुर-मीठा खंड के विद्युतीकरण एवं 114 किलोमीटर लम्बेक पालनपुर-राधनपुर खंड के दोहरीकरण आदि का राष्ट्र को समर्पण शामिल है। उन्होंने लोकोमोटिव मेंटेनेंस डिपो, गांधीधाम को भी राष्ट्र को समर्पित किया जहाँ नवीनतम 4500द्धश्च और 6000द्धश्च इंजनों का रख-रखाव किया जाता है। इससे ट्रेन संचालन के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री ने रेलवे क्षेत्र में अन्य पहलों के साथ गुजरात के चार स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। महेसाना-पालनपुर खंड के दोहरीकरण कार्य के शिलान्यास के साथ ही उन्होंरने गुजरात में विजापुर-आम्बपलियासन, नडियाद-पेटलाद, कलोल-कड़ी-कटोसन, आदरज मोटी-विजापुर, जंबूसर-सामनी, पेटलाद-भादरण, हिम्मतनगर-खेड़ब्रम्हा खंडों के गेज परिवर्तन कार्य का भी शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक कम करने और क्षेत्र में उद्योग और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएँ क्षेत्र में कनेक्टिविटी में भी सुधार करेंगी और यात्री सुविधाओं को बढ़ाएंगी। माननीय प्रधानमंत्री ने एनएआईआर परिसर, वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय भवन की आधारशिला भी रखी। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक भवन होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में पर्यटन विकास के उपायों से वडोदरा को काफी फायदा होगा। पावागढ़, केवड़िया को पर्यटन हब के रूप में विकसित किया गया है।

'अग्निपथ' पर बरसे राहुल गांधी, कहा- 8 साल में मिलनी थीं 16 करोड़ नौकरियां, मिला पकौड़े तलने का ज्ञान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को लेकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमलावर है। एक ओर जहां युवा केंद्र सरकार की इस योजना का युवाओं द्वारा विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है तो दूसरी ओर सियासत भी इस पर तेज हो गई है। कांग्रेसी भी अग्निपथ योजना के खिलाफ आज जंतर-मंतर पर सत्याग्रह कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के लिए फायदेमंद नहीं है तथा यह राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी नेताओं-जयराम रमेश, राजीव शुक्ला, सचिन पायलट, सलमान खुर्शीद और अलका लांबा ने 'सत्याग्रह% में

हिस्सा लिया। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार गरीबों और युवाओं के लिए नहीं, बल्कि बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। प्रियंका ने कहा कि देश की सेवा करने के लिए पूरे जीवन भर सेना में भर्ती होना चाहते हैं। ये जो भी हो रहा है, गलत हो रहा है। इस योजना को वापस लेना चाहिए। केंद्र सरकार पर अग्निपथ स्कीम को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि बार-बार नौकरी की झूठी उम्मीद दे कर, प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को बेरोज़गारी के 'अग्निपथ' पर चलने के लिए मजबूर किया है। 8 सालों में, 16 करोड़ नौकरियां देनी थीं मगर युवाओं को मिला सिर्फ़ पकोड़े तलने का ज्ञान। देश की इस हालत के सीधे तौर पर ज़िम्मेदार केवल प्रधानमंत्री हैं। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस आज जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। देश भर के युवा सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए पेश की गई अग्निपथ योजना का डटकर विरोध कर रहे हैं। इस योजना के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर आए हैं और कई शहरों में हिंसा की घटनाएं भी दर्ज की गई है। अग्निपथ योजना के खिलाफ आज भी देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं। शनिवार को बिहार बंद की भी घोषणा कई संगठनों ने की थी।

पेट्रोल नहीं बेचा तो कैंसल होगा पंप का लाइसेंस, सरकार ने बढ़ाया यूएसओ का दायरा

नई दिल्ली। सरकार ने निजी ईंधन खुदरा विक्रेताओं पर लगाम लगाने के लिए यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन (यूएसओ) के दायरे को बढ़ाया है। सरकार ने दूरदराज के इलाकों में भी पेट्रोल और डीजल की बिक्री को सुचारू बनाए रखने का निर्देश दिया है। अब हर पेट्रोल पंप को हर दिन पेट्रोल बेचना ही होगा। गौरतलब है कि निजी क्षेत्र की ईंधन खुदरा कंपनियां घाटे को कम करने के लिए परिचालन में कटौती कर रही हैं। लेकिन अब यूएसओ का दायरा बढ़ाए जाने से उन सभी पेट्रोल पंपों को रोज खुदरा ईंधन बेचना ही होगा जिन्हें खुदरा पेट्रोल और डीजल का लाइसेंस मिला है। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि ये पंप

पूरा दिन पेट्रोल-डीजल की बिक्री करें। लेकिन इन्हें कुछ तय वर्किंग घंटों में ईंधन अनिवार्य रूप से बेचना होगा। तेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि अगर खुदरा तेल विक्रेता इन आदेशों का पालन नहीं करते हैं तो उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने कहा बाजार में उच्च स्तर की ग्राहक सेवाओं को सुनिश्चित करने और बाजार अनुशासन के तहत यूएसओ का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसा किया गया है। दरअसल, हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक और गुजरात समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल पंप द्वारा ग्राहकों को यह कहकर लौटाया जा रहा था कि उनके पास ईंधन खत्म हो गया है। इसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद दाम नहीं बढ़ने की वजह से ईंधन की खुदरा बिक्री करने वाली निजी क्षेत्र की कंपनियों को डीजल की बिक्री पर प्रति लीटर 20 से 25 रुपये और पेट्रोल पर 14 से 18 रुपये का नुकसान हो रहा है।

न्यूज़ ट्रैक....

मुंबई और मप्र के बीच 22 जून से खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी मुकाबला

बैंगलोर ।मुम्बई ओर मध्यप्रदेश के बीच 22 जून से रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेला जाएगा। मध्यप्रदेश ने जहां एक सेमीफाइनल में बंगाल को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं मुम्बई और उत्तर प्रदेश के बीच सेमीफाइनल मैच में कोई परिणाम नहीं निकला। इससे पहली पारी में बढ़त लेने वाली मुम्बई की टीम फाइनल में पहुंच गयी। फायनल मुकाबला 22 जून से 26 जून के बीच बैंगलोर के चेन्ना स्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 341 और दूसरी पारी में 281 रन बनाए थे। वहीं पहली पारी में बंगाल की टीम 273 रन ही बना पाई। इसके बाद बंगाल को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला जिसके जवाब में बंगाल की टीम के 175 रन ही बना पायी। इस प्रकार मप्र की टीम 174 रनों की जीत के साथ ही 23 साल बाद रणजी सेमीफाइनल में पहुंच गई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मुम्बई ने पहली पारी में 393 रन बनाने के बाद उत्तर प्रदेश को केवल 180 रनों पर ही आउट कर दिया। दूसरी पारी में मुंबई की टीम को आउट करने में उत्तर प्रदेश के गेंदबाज नाकाम रहे।

फिलीपींस में महिला एफआईवीबी बॉलीबाल में गेंद रोकने का प्रयास करती हुई बेल्जियम की जोडी गुलियंस व ब्रिट रेमपलबर्ग।

मेरा अभी खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं ~ आंनद

नई दिल्ली । पांच बार के विश्व चैंपियन भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद फिलहाल शतरंज को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। आनंद का कहना है कि फिडे अध्यक्ष बनने के बाद भी वह खेल को जारी रखने वाले है। 52 वर्षीय आनंद ने कहा कि कोरोना के दौरान लोगों में शतरंज खेलने को लेकर काफी दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस खेल को बढ़ावा देने के लिए वह पूरा प्रयास करुंगा। आनंद ने जुलाई-अगस्त में महाबलीपुरम में होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड के तहत आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह सबसे बड़ा शतरंज टूर्नामेंट है। अधिकांश टूर्नामेंटों में 10 ,20 या अधिकतम 50 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन यहां 2000 के करीब खिलाड़ी हैं। इसके बाद इसकी तुलना ही नहीं हो सकती। भारत में पहली बार 28 जुलाई से महाबलीपुरम में शतरंज ओलंपियाड का आयोजन होगा। यदि आगामी चुनाव में निवर्तमान अध्यक्ष अर्कादी वोरकोविच फिर चुने जाते हैं तो आनंद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष होंगे। वोरकोविच ने अपनी टीम में आनंद को इस पद के लिए नामित किया है।

पेरिस में डायमंड लीग एथलेटिक्स में छलांग लगाते हुए यूक्रेन के यारोसलेव महुसिक।

भारतीय हॉकी टीम दूसरे चरण के पहले शूटआउट में नीदरलैंड से हारी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के पहले ही मैच में नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में नियमित समय तक दोनो ही टीमें 2-2 से बराबरी पर थी लेकिन शूटआउट में नीदरलैंड ने बाजी मार ली। नीदरलैंड ने शूटआउट में 1-4 से जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही भारतीय टीम की खिताब हासिल करने की संभावनाएं अन्य टीमों पर भी निर्भर हो गयी हैं। इस मैच से भारत को केवल एक अंक ही मिला। इस प्राकर 15 मुकाबलों के बाद भारतीय टीम के पास अब केवल 30 अंक हो गये हैं। वहीं अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार नीदरलैंड के 13 मैचों में 33 अंक हैं जबकि बेल्जियम के 14 मैचों में 31 अंक हैं। अभी नीदरलैंड को तीन जबकि बेल्जियम को दो मैच और खेलने हैं। भारतीय टीम की ओर से दिलप्रीत सिंह ने 22वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद हरमनप्रीत सिंह ने सैच समाप्त होने से ठीक पहले बराबरी का गोल किया। इस मैच में दोनो ही टीमों ने आक्रामक खेल खेला। नीदरलैंड की ओर से तिजमेन रेयेंग ने 10वें मिनट में एक गोल किया। भारत की ओर से मैच के 22वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने वरूण कुमार के पास पर मैदानी गोल किया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। मैच के अंतिम क्वार्टर में 47 मिनट में कोएन बिजेन के मैदानी गोल से नीदरलैंड को फिर बढ़त मिल गयी। अंतिम 23 सेकंड में भारत ने को पेनाल्टी कार्नर मिला जिसपर गोल करने में हरमनप्रीत ने कोई गलती नहीं की और स्कोर को 2-2 से बराबरी पर ला दिया हालांकि किन शूट आउट में भारतीय टीम अवसरों का लाभ नहीं

फीफा वर्ल्डकप में जुटेंगे 12 लाख दर्शक, कतर सरकार क्रूज पर ठहराने के अलावा बड़ौइन टैंट की भी करेगी व्यवस्था

दोहा । फीफा विश्व कप 2022 को भव्य बनाने के लिए कतर सरकार दिन प्रति दिन नई व्यवस्थाएं कर रही है। समुद्र किनारे क्रूज में फैंस को ठहराने के अलावा सरकार दर्शकों के लिए पारंपरिक 1000 बडौइन टैंट भी बनाएगी। इन टैंट में सभी तरह की सुविधाएं होंगी। 28 दिवसीय फीफा विश्व कप में प्रबंधन को इस मुकाबले के लिए 1.2 मिलियन दर्शकों के आने की उम्मीद है। यह कतर की आबादी का लगभग आधा हिस्सा है। फैंस इतने हैं कि उतने कतर के होटलों में कमरे नहीं है।

ऐसे में कतर सरकार ने फैंस को रॉयल महसूस कराने के उद्देश्य से रेगिस्तान में पारंपरिक बेडौइन टैंट बनाने की योजना बनाई है। इनकी संख्या 1000 होगी। इन टैंट में तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। टूर्नामैंट के आयोजक सुप्रीम कमेटी फॉर डिलीवरी एंड लिगेसी उमर अल-जबर ने कहा दोहा के आसपास के रेगिस्तानी इलाके में इसकी व्यवस्था की जाएगी। हम प्रशंसकों को एक रेगिस्तान में रहने का मौका देंगे। इनमें 200 टैंट विशेष होंगे, जिसकी फैंस को फीस देनी होगी। कतर पर्यटन के अनुसार- कतर में 30,000 से कम होटल कमरे हैं, जिनमें से 80 प्रतिशत फीफा विश्व कप मेहमानों के लिए आवंटित किए गए हैं। कमरों की समस्या दूर करने के लिए दो क्रूज जहाजों को दोहा बंदरगाह और साझा विला में खड़ा किया जाएगा। इनमें कम से कम 69,000 कमरे उपलब्ध होंगे। इसका प्रबंधन यूरोप के सबसे बड़े होटल संचालक एकोर द्वारा किया जाएगा।

टूर्नामेंट में 32 टीमें हिस्सा लेंगी

ग्रुप ए : कतर (मेजबान), इक्वाडोर, सेनेगल, नीदरलैंड
ग्रुप बी : इंगलैंड, ईरान, संयुक्त राज्य अमरीका, वेल्स
ग्रुप सी :अर्जेंटीना, सऊदी अरब, मैक्सिको, पोलैंड
ग्रुप डी :फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया डैनमार्क, ट्यूनीशिया
ग्रुप ई : स्पेन, कोस्टा रिका, जर्मनी, जापान
ग्रुप एफ : बैल्जियम, कनाडा, मोरक्को, क्रोएशिया
ग्रुप जी :ब्राजील, सर्बिया, स्विट्जरलैंड, कैमरून
ग्रुप एच : पुर्तगाल, घाना, उरुग्वे, दक्षिण कोरिया

प्रबंधन का मानना है कि विश्व कप के दौरान कुल 1 लाख कमरों की जरूरत होगी जिसका प्रबंध किया जाएगा। टूर्नामैंट में प्रशंसकों के लिए लोकल एयरलायंस डेली सर्विस देंगी। कतर ने क्षेत्रीय एयरलाइनों को 180 से अधिक डेली सर्विस देने के लिए आमंत्रित किया है। इससे प्रशंसकों को पास के शहरों में जाने में सुविधा होगी। दोहा में हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 2022 फीफा विश्व कप का आधिकारिक पोस्टर लॉन्च किए गए। पोस्टर को कतर के कलाकार बुथैना अल मुफ्ताह ने डिजाइन किया है। अल मुफ्ताह ने कहा मैं चाहती थी कि प्रत्येक पोस्टर कतर में उत्सव और फुटबॉल के प्रशंसकों को दिखाए।

मुख्य पोस्टर में गुटरा और अगल (पारम्परिक टोपी) को हवा में फेंकते हुए दिखाया गया है। ऐसा तब होता है जब गोल होने पर प्रशंसक खुशी व्यक्त करता है। इसमें अल थुमामा स्टेडियम के डिजाइन और शुभंकर लाईब की आकृति भी दिखती है।

फीफा के विपणन निदेशक जीन-फ्रांस्वा पैथी ने कहा- कतर 2022 के लिए आधिकारिक पोस्टर कतर की कलात्मक और फुटबॉल विरासत का एक वायुमंडलीय प्रतिबिंब है। हमें पोस्टर की इस खूबसूरत श्रृंखला पर बहुत गर्व है जो कतर के फुटबॉल के जुनून को चित्रित करता है। यह मैच 5 शहरों के 8 स्टेडियम में खेला जाएगा-अल बेयट स्टेडियम, खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम, अल थुमामा स्टेडियम, अहमद बिन अली स्टेडियम, लुसैल स्टेडियम, रास अबू अबूद स्टेडियम, एजुकेशन सिटी स्टेडियम, अल जानौब स्टेडियम। 21 नवंबर 2022 को टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह कतर के लुसैल आइकॉनिक स्टेडियम में होगा जबकि फाइनल मुकाबला भी इसी स्टेडियम पर 18 दिसंबर 2022 को आयोजित किया जाएगा।

हार्दिक पंडया सिर्फ धोनी की सलाह पर करते हैं अमल

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में गुजरात टाइटंस को खिताबी जीत दिलाने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब भारतीय टीम में धमाल मचा रहे हैं। पंड्या साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 में 31 गेंद में 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम इंडिया को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ ही भारत अब पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने बीसीसीआई टीवी के लिए दिनेश कार्तिक का एक खास इंटरव्यू किया। इस दौरान हार्दिक ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात को आईपीएल का खिताब दिलाया और किसकी सलाह मानने पर उन्हें इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। हार्दिक ने कहा मैं हमेशा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से सलाह लेता रहता हूं। वह जिस तरह से शांत रहकर अपनी रणनीति पर आगे बढ़ते हैं, वह शानदार है। करियर के शुरुआत में उन्होंने मुझे सलाह दी थी कि तुम यह मत सोचो की टीम का स्कोर क्या है। यह सोचो की टीम की जरूरत क्या है और मैं अब इसी चीज का पालन करता हूं।

कार्तिक के द्वारा पूछे गए इस सवाल पर कि गुजरात और टीम इंडिया के लिए खेलते हुए वह अपनी प्लानिंग में क्या कुछ बदलाव करते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा मैं अपने खेल में कुछ खास बदलाव नहीं करता। मैं बस अपनी टाइमिंग और अपने जोन में आने वाली गेंद को खेलने का प्रयास करता हूं। चाहे मैं गुजरात के लिए खेलूं या फिर टीम इंडिया के लिए। बता दें कि पंड्या ने टीम इंडिया के लिए 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद से वह अब तक कुल 58 टी20 मैच खेल चुके हैं। हालांकि चोट के कारण वह लगातार टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं, लेकिन उन्हें जब भी मौका मिलता है वह गेंद और बल्ले दोनों से अपना भरपूर योगदान देते हैं। यही कारण की आयरलैंड दौरे पर उन्हें टीम इंडिया की कप्तानी दी गई है।

व्यापार न्यूज

एफआईआई ने अभी तक भारतीय बाजार से 2 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

मुंबई । विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने इस साल अभी तक भारतीय बाजार से 2 लाख करोड़ रुपये की निकासी की हैं। यह किसी एक वित्तीय साल में विदेशी निवेशकों की अब तक की सबसे बड़ी बिकवाली है। बाजार इस दबाव को झेल नहीं पा रहा है। इसकारण सेंसेक्स अपने शीर्ष से करीब 10,000 अंक नीचे आ गया है। विदेशी निवेशक पिछले 9 महीने से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। सिर्फ मई में उन्होंने 45,276 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। वहीं, जून में 17 तारीख तक एफआईआई 28, 445 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली कर चुके हैं। इस साल अब तक उन्होंने कुल 2,02,244 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की है।
शुक्रवार को खत्म हुए कारोबारी हफ्ते में सेंसेक्स करीब 5.19 फीसदी और निफ्टी 5.36 फीसदी टूट गया और इस बीच निवेशकों के 14 लाख करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई पर एशियन पेंट्स, विप्रो, डॉ रेड्डीज, टाइटन, टीसीएस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और मारुति के शेयरों में सबसे ज?यादा नुकसान दिखा। एलआईसी के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को यह शेयर 654 रुपये पर बंद हुआ। इस सप?ताह बाजार में गिरावट सिर्फ भारतीय निवेशकों के लिए नहीं रही, बल्कि पूरे एशिया के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में इसका असर दिखा।

एलआईसी का मार्केट कैप लिस्टिंग से एक महीने में ही 31 फीसदी घटा

नई दिल्ली । एलआईसी के शेयर को लिस्ट हुए एक महीने हो गए। एक महीने में ही देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी का मार्केट कैप 31 फीसदी कम हो गया है। आईपीओ के इश्यू प्राइस के मुकाबले निवेशकों के 1.86 लाख करोड़ रुपए का नुकसाना हो गया है। एलआईसी के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 2.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। मौजूदा कीमत स्तर पर एलआईसी का मार्केट कैप 4,14,097.60 करोड़ रुपए है। एलआईसी वर्तमान में मार्केट कैप के मामले में बीएसई पर सातवीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। लिस्टिंग के वक्त ये पांचवीं नबंर थी। एक महीने पहले 17 मई को एलआईसी के शेयर 8 फीसदी से अधिक के डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए थे। उस सप्ताह के बाद, एलआईसी के शेयरों ने भी 920 रुपए के सर्वका?लिक उच्च स्तर को छुआ लेकिन फिर एलआईसी के शेयरों में गिरावट देखने को मिलने लगी और बाजार में मंदी के रुख के कारण भारी गिरावट दर्ज की। एलआईसी आईपीओ का इश्यू प्राइस 949 था, जिसका बाजार मूल्यांकन 6,00,242 करोड़ था। एक महीने बाद इसके आईपीओ इश्यू प्राइस की तुलना में, एलआईसी के शेयरों में 31 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। 17 जून शुक्रवार को बाजार बंद होने पर इसका मार्केट कैप 1,86,142.4 करोड़ तक कम हो गया है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 428 परियोजनाओं की लागत 4.98 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली । देरी और अन्य कारणों की वजह से बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक खर्च वाली 428 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.98 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की अप्रैल-2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,559 परियोजनाओं में से 428 की लागत बढ़ी है, जबकि 647 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,559 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,73,907.11 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,72,201.26 करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,98,294.15 करोड़ रुपए बढ़ी है।

विदेशी निवेशकों ने जून में अब तक 31,430 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, ऊंची मुद्रास्फीति तथा शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली जून में भी जारी है। इस महीने अब तक एफपीआई भारतीय शेयरों से 31,430 करोड़ रुपए की निकासी कर चुके हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस तरह 2022 में एफपीआई अब तक 1.98 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि आगे चलकर भी एफपीआई का रुख उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती मुद्रास्फीति, केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक रुख को कड़ा किए जाने की वजह से एफपीआई उभरते बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने 17 जून तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,430 करोड़ रुपए की निकासी की है। अक्टूबर, 2021 से एफपीआई की बिकवाली का सिलसिला जारी है। वैश्विक निवेशक दुनियाभर में मंदी के बढ़ते जोखिम को लेकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बढ़ती मुद्रास्फीति के बीच फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की वृद्धि की है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने आगे भी सख्त रुख अपनाने का संकेत दिया है।

उन्होंने कहा कि डॉलर के मजबूत होने और अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से एफपीआई मुख्य रूप से बिकवाली कर रहे हैं। फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरें बढ़ाई हैं। इसके चलते एफपीआई शेयरों से बांड की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि अनिश्चितता के ऐसे परिदृश्य जबकि बांड पूंजी की सुरक्षा और बेहतर प्रतिफल की पेशकश कर रहे हैं, निवेशकों की बिकवाली तय है। मार्च, 2020 के बाद अमेरिका के बाजारों में सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर मुद्रास्फीति चिंता का विषय है और इस पर अंकुश के लिए रिजर्व बैंक नीतिगत दरें बढ़ा रहा है।

रत्न और आभूषण निर्यात मई में 20 प्रतिशत बढ़कर 25,365 करोड़ पहुंचा: जीजेईपीसी

मुंबई । अमेरिका समेत महत्वपूर्ण बाजारों में मांग में तेजी के चलते रत्न एवं आभूषण निर्यात में मई 2022 में सालाना आधार पर तेजी दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 20 प्रतिशत बढ़कर 25,365.35 करोड़ रुपए पहुंच गया है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने कहा कि मई 2021 में रत्न एवं आभूषण का कुल निर्यात 21,156.10 करोड़ रुपए था। 2022 के अप्रैल-मई में रत्न एवं आभूषण का कुल सकल निर्यात 10.08 फीसदी बढ़कर 51,050.53 करोड़ रुपए पहुंच गया जो 2021 की समान अवधि में 46,376.57 करोड़ रुपए था। जीजेईपीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि हम भारत को दुनिया का पसंदीदा रत्न एवं आभूषण विनिर्माता बनने की दिशा में बढ़ता देख रहे हैं।

जीएसटी परिषद की 47वीं बैठक अब चंडीगढ़ में 28 से

नई दिल्ली । देश में बढ़ती महंगाई के बीच माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की दो दिवसीय 47वीं बैठक 28 जून से अब श्रीनगर की वजाय चंडीगढ़ में होगी। इससे पहले 27 जून को अधिकारियों की बैठक होगी। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने हालांकि बैठक के स्थान में परिवर्तन को लेकर कोई विशेष जानकारी नहीं दी है लेकिन कहा है कि अब बैठक चंडीगढ़ में होगी। एक अन्य सूत्र ने बैठक के स्थान को सुरक्षा कारणों से बदले जाने की बात कही है। जीएसटी परिषद की यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब पूरी दुनिया महंगाई से परेशान है और भारत पर भी इसका असर दिख रहा है। देश में महंगाई तेजी से बढ़ी है और अब लोग उम्मीद कर रहे हैं जीएसटी परिषद आवश्यक वस्तुओं पर दरों को तकर्संगत बनाकर राहत पहुंचाने में मदद कर सकती है। देश में जीएसटी दरों को तकर्संगत बनाने की मांग काफी दिनों से की जा रही है और सिर्फ इसके लिए दो ही दरों की वकालत की जा रही है।

कोयला आपूर्ति के लिए सरकार का बिजली कंपनियों को रैक खरीदने का निर्देश

नई दिल्ली । सरकार ने बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) को अपने खुद के इस्तेमाल (कैप्टिव) के लिए रैक की खरीद करने का निर्देश दिया है। इससे मानसून के सीजन में बिजली उत्पादक कंपनियों को कोयले की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित हो पाएगी। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि हर साल मानसून के दौरान घरेलू कोयले के उत्पादन में गिरावट आती है। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार मानसून के दौरान उत्पादन और आपूर्ति के मुद्दों के मद्देनजर रैक की व्यवस्था कर रही है, मंत्री ने इसका सकारात्मक जवाब दिया। सिंह ने कहा ?कि रैक एक और समस्या है। कोयला मंत्रालय कह रहा है कि कई ऐसे स्थान हैं जहां शुष्क ईंधन उपलब्ध है लेकिन उपलब्धता के अनुरूप इनका परिवहन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि रैक की कमी के अलावा कुछ मार्गों पर भीड़भाड़ की वजह से भी आपूर्ति प्रभावित हो रही है। सिंह ने कहा कि रेलवे को इन मार्गों पर भीड़भाड़ की समस्या के हल को कार्रवाई करने की जरूरत है, जिससे इन स्थानों से ज्यादा कोयला निकाला जा सके। कुछ ऐसे क्षेत्र जहां पर्याप्त रैक उपलब्ध हैं वहां कोयला मंत्रालय को उत्पादन बढ़ाना होगा।
उन्होंने कोई ब्योरे दिए बिना कहा कि भारतीय रेल अधिक रैक की खरीद कर रही है। मैंने जेनको को रैक में निवेश करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि यदि आपके पास अपना रैक होगा तो आपकी परिवहन की लागत बचेगी। रैक करीब 25-30 साल चलता है। एनटीपीसी के पास पहले से अपने रैक हैं। वे अपने रैक की संख्या बढ़ा रहे हैं। मैंने सभी राज्यों की बिजली उत्पादक कंपनियों से कहा है कि वे अपने रैक खरीदें। इससे रेलवे पर बोझ कम होगा।उन्होंने कहा कि सरकार मानसून के दौरान बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार बढ़ाकर चार करोड़ टन पर पहुंचाने का प्रयास कर रही है। अभी इन संयंत्रों के पास 2.29 करोड़ टन का भंडार है।

तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा

वैश्विक बाजारों में नरमी और कमजोर मांग से तेल-तिलहनों के भाव टूटे

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कीमतों में कमी और मांग कमजोर होने से देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन तथा बिनौला, सीपीओ, पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। अन्य तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। बाजार सूत्रों ने बताया कि इंडोनेशिया में प्रतिबंध के बाद निर्यात पुन~ खोलने और परमिट जारी किए जाने से विदेशी बाजारों में खाद्य तेल कीमतों के भाव लगभग 20 प्रतिशत कम हुए हैं। इसके अलावा स्थानीय मांग में भी कमी आई है जिससे सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट आई है। सूत्रों ने कहा कि पामोलीन तेल के मुकाबले अब आयातक कच्चे पामतेल के आयात को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैसे आयातकों को भारी नुकसान है। आयातकों ने छह माह पूर्व डॉलर के जिस भाव पर खरीद कर बिक्री कर दी थी, उस बैंक कर्ज के ब्याज का भुगतान डॉलर के मौजूदा भाव के अनुरूप करना पड़ रहा है जिससे उनकी लागत अधिक बैठती है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार खाद्य तेलों का भंडार रखने की सीमा (स्टॉक लिमिट) लगाती है और बाद में छापेमारी की जाती है लेकिन इन उपायों का कोई स्थायी परिणाम नहीं मिलता है। समस्या की असली जड़ अधिकतम खुदरा मूल्य यानी एमआरपी है। इसे दुरुस्त करने की पहल होनी चाहिये। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 75 रुपए घटकर 7,440-7,490 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 200 रुपए घटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,100 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमश~ 30-30 रुपए घटकर क्रमश~ 2,365-2,445 रुपए और 2,405-2,510 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशों में भाव टूटने और मांग कमजोर रहने से सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमश~ 200-200 रुपए की गिरावट के साथ क्रमश~ 6,750-6,850 रुपए और 6,450-6,550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी बाजारों में तेल कीमतों में नरमी होने से सोयाबीन तेल कीमतें भी नुकसान के साथ बंद हुईं। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 1,050 रुपए की हानि के साथ 15,150 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 950 रुपए टूटकर 15,700 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 1,200 रुपए की गिरावट के साथ 13,300 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशी तेलों में आई गिरावट से मूंगफली तिलहन का भाव भी 100 रुपए की गिरावट के साथ समीक्षाधीन सप्ताह में 6,715-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपए की गिरावट के साथ 15,650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 45 रुपए टूटकर 2,615-2,805 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी बाजारों में तेल कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की मंदा आने के बाद कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 950 रुपए टूटकर 13,000 रुपए क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 900 रुपए टूटकर 14,750 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 880 रुपए टूटकर 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगे राजकुमार राव

श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगे राजकुमार राव बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। राजकुमार राव इस समय अपनी अगली फिल्म रूही को लेकर सुर्खियों में हैं। राजकुमार राव ने मुदस्सर अजीज की कॉमेडी फिल्म भी साइन कर ली है। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। राजकुमार राव इस समय अपनी अगली फिल्म रूही को लेकर सुर्खियों में हैं। राजकुमार राव ने मुदस्सर अजीज की कॉमेडी फिल्म भी साइन कर ली है। बताया जा रहा है कि पहले यह फिल्म अक्षय कुमार को ऑफर हुयी थी लेकिन डेटस नहीं होने की वजह से अक्षय ने यह फिल्म छोड़ दी। फिल्म में अक्षय कुमार की जगह अब राजकुमार राव नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव के साथ श्रद्धा कपूर नजर आ सकती है। बताया जा रहा है कि राजकुमार जल्द ही फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर देंगें। माना जा रहा है कि फिल्म इसी साल या 2022 की शुरूआत में रिलीज हो सकती है। इस फिल्म को जैकी भगनानी प्रोड्यूस करने वाले हैं।

काजोल ने कॉफी बहुत पसंद होने की बात साझा की

अभिनेत्री काजोल ने बुधवार को कॉफी को बहुत प्यार करने की अपनी कहानी शेयर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, एक समय

की बात है, जहां एक लड़की रहती थी। उसे कॉफी बहुत पसंद थी .. और वे खुशी-खुशी रहते थे। समाप्त। काजोल इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स से हमेशा मस्ती करती रहती हैं। हाल ही में पोस्ट की गई एक अन्य स्टोरी में अभिनेत्री ने लिखा, मजबूत लोग भी टूट जाते हैं, वे बस चुप रहते हैं, पुनर्निर्माण करते हैं और चलते रहते हैं।

प्राकृतिक खेती पर जोर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मिट्टी को पूरी तरह से कैमिकल मुक्त करने की वकालत कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर कहा कि आज मिट्टी को पूरी तरह से कैमिकल मुक्त करना होगा। सरकार ऐसी नीतियां बना रही है, जिससे फसलों की गुणवत्ता बनी रहे और मिट्टी को नुकसान भी न पहुंचे। देश के वैज्ञानिक भी परंपरागत तरीके से खेती करने की वकालत कई बार कर चुके हैं। दरअसल मिट्टी को लेकर बार-बार चिंता इसलिए जाहिर की जा रही है, क्योंकि देश के कई इलाकों में खेतों की मिट्टी ताकत खोती जा रही है। यह पर्यावरण के साथ हमारी खेती और सेहत के लिए बड़े खतरे की घंटी है। इससे खेती का रकबा घटकर बंजर जमीन का इलाका बढने की आशंका तक जताई जा रही है। वहीं हमारी सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। इससे भी बड़ी चिंता यह है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर कहीं कोई बात नहीं हो रही है। दरअसल, मिट्टी सैकड़ों सालों से उर्वरा शक्ति को बनाए हुए अन्न और खाद्य पदार्थ उपजाती रही है। साल दर साल किसान अपने परंपरागत ज्ञान के आधार पर खेती की जमीन को पोषक तत्वों से युक्त बनाए रखते रहे हैं। इसके लिए वे प्राकृतिक खाद, फसल चक्र कई पारंपरिक और प्राकृतिक तौर-तरीकों से खेतों की मिट्टी को सहेजते थे। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि मिट्टी में 12 तरह के पोषक तत्व होते हैं जो कि मिट्टी में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों में भी पहुंचते हैं और इनका उपयोग करने वाले व्यक्ति को सेहतमंद बनाए रखते हैं। 50 सालों में जिस तरह हमने प्राकृतिक व्यवस्था को तहस-नहस कर उत्पाद आधारित खेती व्यवस्था को अपना लिया है, खेती में अधिक से अधिक पैदावार के लिए अब रासायनिक खाद और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल शुरू कर दिया है, उससे खेतों की मिट्टी की ताकत क्षीण हो गई है। सरकार का कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय देश में मिट्टी की जांच कर किसानों को बता रहे हैं कि उनके खेतों की मिट्टी की सेहत कैसी है। मिट्टी की सेहत खराब होने से फसलें तो प्रभावित होती ही हैं, उनमें पर्याप्त पोषक तत्वों का संतुलन भी बिगड़ जाता है। इसके लिए खेतों की मिट्टी के नमूने की जांच कर संबंधित किसान को उसके खेत की जमीन की रिपोर्ट भी सौंपी जा रही है। अलग-अलग हिस्सों में मिट्टी की जांच में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इसमें हुए खुलासे से पता चला है कि खेतों की मिट्टी में मौजूद 12 तत्वों में से अधिकांश तत्व या तो बहुत कम हैं या फिर बहुत ज्यादा हैं। यहां तक कि इनमें से छह तत्व पूरी तरह असंतुलित हैं। ऐसी मिट्टी में उपजे खाद्य पदार्थ खाने से लोगों में कुपोषण और कई तरह की बीमारियां घर कर रही हैं। मिट्टी के अंसतुलित पोषक तत्वों में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर और जिंक शामिल हैं। जाहिर है, इन जरूरी पोषक तत्वों की कमी से ही कुपोषण और खतरनाक बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं। शरीर को जिस तरह पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह एक पौधे और फसल के लिए भी मिट्टी में तमाम तरह के तत्वों की जरूरत होती है। इन दिनों शरीर के लिए जरूरी अनाज, सब्जियों में पोषक तत्त्वों की कमी मिट्टी में आई पोषक तत्वों की कमी का नतीजा है।

अनसूयाजी की सीताजी को सीख एवं श्रीराम द्वारा लक्ष्मणजी के प्रश्नों के उत्तर

डॉ. शारदा मेहता

वन में घूमते हुए श्रीराम, लक्ष्मणजी व सीताजी अनेक ऋषि-मुनियों के आश्रम में गए। वे अत्रि मुनि के आश्रम में पहुँचे। दौड़ कर अत्रिजी ने उनकी पूजा अर्चना कर स्वागत किया। उनके प्रेमाश्रुओं से श्रीरामजी, लक्ष्मणजी व सीताजी गदगद हो गए। उनके आश्रम में सीताजी की भेंट माता अनसूयाजी से हुई। माता सीता ने उनके चरण वन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। माता अनसूयाजी ने सीताजी को दिव्य वस्त्राभूषण प्रदान किए जो सर्वदा सुहावने व स्वच्छ रहेंगे। अनसूयाजी ने सीता को नारी धर्म से सम्बन्धित कुछ शिक्षा प्रदान की-

मातु पिता भ्राता हितकारी। मित प्रद सब सुनु राजकुमारी।।

अमित दानी भर्ता बयदेही। अधम सोनारि जो सेव न तेही।।

अर्थात्- %हे राजकुमारी! माता-पिता, भाई ये सभी हित करने वाले हैं। परन्तु ये सीमित सुख देते हैं। परन्तु पति असीम सुख देने वाला होता है। वह स्त्री अधम है जो पति-सेवा नहीं करती है।'

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 4/4)

धीरज धर्म मित्र अरु नारी। आपद काल परिखिअहिंचारी।।

वृद्ध रोग बस जड़ धन हीना। अंध बधिर क्रोधी अति दीना।।

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 4/4)

अर्थात्- धैर्य, धर्म, मित्र और नारी इन चारों की परीक्षा संकटकाल में ही होती है। वृद्ध, रोगी, मूर्ख, निर्धन, अन्धा, बहरा, क्रोधी और अत्यन्त दीन भी पति हो तो भी सेवा करनी चाहिए।

एसेहु पति कर किएँ अपमाना। नारि पाव जमपुर दुख नाना।।

एकहु धर्म एक व्रत नेमा। कायँ वचन मन पति पद प्रेमा।

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 4/5)

अर्थात् पति का अपमान करने पर पत्नी यमपुर में भाँति भाँति के दुःख पाती है। मन, शरीर और वचन से पति सेवा करना स्त्री का एकमात्र धर्म है। यह नियम है। अनसूयाजी ने चार प्रकार की पतिव्रताओं के भेद बतलाए हैं-

पतिव्रता के मन में हमेशा ऐसा भाव रहता है कि मेरे पति को छोड़कर मेरे मन में कोई दूसरा पुरुष स्वप्न में भी नहीं रहता है।

मध्यम श्रेणी की पतिव्रताएँ पर पुरुष को अपना सगे भाई, पिता या पुत्र के समान मानती हैं। बड़े व्यक्ति को पिता के समान व छोटे को पुत्र के समान समझती है।

कई स्त्रियाँ मौका न मिलने पर या भयवश पतिव्रता बनी रहती हैं। पति को धोखा देती है और पराये पति से रति करती है। ऐसी स्त्रियाँ कल्प तक रौरव नरक में पड़ी रहती हैं।

अनेक स्त्रियाँ धर्म का विचार कर अपने कुल की मर्यादा बनाए रखती हैं। वेदों का भी यही कथन है।

कई स्त्रियाँ निकृष्ट श्रेणी के अन्तर्गत आती हैं। क्षणिक सुख के लिए अनेक जन्मों के दुःख को नहीं समझती है। उसके समान दुष्टा कौन है? पति के प्रतिकूल चलती है। दूसरे जन्म में वे युवावस्था में ही विधवा हो जाती है।

जन्म से ही अपवित्र नारी अनायास ही पति सेवा करके शुभ गति प्राप्त कर लेती है। %तुलसीजी' आज भी भगवान को प्रिय है। चारों वेद भी उनका यशोगान करते हैं।

सीताजी स्वयं पाँच पतिव्रताओं में से एक हैं। वर्तमान युग में भी महिलाएँ माता सीताजी का स्मरण कर पतिव्रता धर्म का पालन कर सकती है। अनसूयाजी ने सम्पूर्ण संसार के कल्याणार्थ ये सभी बातें सीताजी को बताई हैं।

श्रीरामचरितमानस के अरण्यकाण्ड से दोहा क्र. 4 से 5 के मध्य की समस्त चौपाइयों के अर्थ (माता अनसूयाजी की माता सीता को शिक्षा प्रसंग) का समावेश मैंने अपने आलेख में किया है। आलेख का विस्तार अधिक न हो, इसलिए मैंने चौपाइयों का भावार्थ बताया है।

अत्रि-आश्रम से सभी का आशीर्वाद ग्रहण कर श्रीराम, लक्ष्मणजी व सीताजी वहाँ से शरभंग मुनि के आश्रम में आए।

मुनि ने अपना योग, यज्ञ, तप, जब सब कुछ प्रभु राम के चरणों में समर्पित कर दिया और स्वयं वैकुण्ठ लोक को पधार गए।

आगे बढ़ने पर श्रीराम को एक स्थान पर हड्डियों के ढेर दिखलाई दिए। उन्होंने ऋषि-मुनियों से इनके बारे में पूछा तो उनका कथन था कि यहाँ निवास करने वाले राक्षसों ने ऋषि-मुनियों का भक्षण कर लिया है। ये हड्डियों के ढेर उन्हीं के हैं। यह देखकर श्रीराम अत्यधिक दुःखी हुए। उन्होंने उसी समय प्रण किया-

निसिचर हीन करउँ महि भुज उठाई पन कीन्ह।।

सकल मुनिन्ह के आश्रमन्हि जाइ जाइ सुख दीन्ह।।

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 9)

अर्थात् श्रीराम ने भुजा उठाकर प्रण किया कि मैं पृथ्वी को राक्षसों से रहित कर दूँगा। फिर समस्त मुनियों के आश्रम में जाकर उन्हें सुख दूँगा।

तत्पश्चात् श्रीरामजी ने सुतीक्ष्ण मुनि की वन्दना स्वीकार की और अगस्त्यजी के आश्रम में पधारे। वहाँ वे अगस्त्यजी से पूछते हैं-

तब रघुवीर कहा मुनि पाहीं। तुम्ह सन प्रभु दुराव कछु नाहीं।।

तुम्ह जानहु जे हि कारन आयऊँ। ताते तात न कहि समझायउँ।।

(श्रीरामचरितमानस मानस अरण्यकाण्ड दोहा 12/1)

अर्थात् तब श्रीरामजी ने मुनि से कहा- हे प्रभो आपसे तो कुछ छिपाव है नहीं। मैं जिस कारण से आया हूँ वह आप जानते ही हैं। इसी से हे तात! मैंने आपसे समझाकर कुछ नहीं कहा।

अगस्त्यजी उन्हें दण्डकवन में पंचवटी नामक स्थान पर निवास करने की सलाह देते हैं। श्रीराम, लक्ष्मणजी व सीताजी पंचवटी में आते हैं। वहाँ की सुन्दर प्राकृतिक छटा सभी को मोहित करती है। श्रीराम सुखपूर्वक बैठे हैं तब लक्ष्मणजी बड़ी विनम्रता से श्रीरामजी से कुछ प्रश्न पूछते हैं-

ईस्वर जीव भेद प्रभु सकल कहौ समुझाइ।

जाते होइ चरन रति सोक मोह भ्रम जाइ।।

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 14)

अर्थात्- हे प्रभो! ईश्वर और जीव का भेद भी सब समझाकर कहिये, जिससे आपके चरणों में मेरी प्रीति हो और शोक, मोह तथा भ्रम नष्ट हो जाएं।

श्रीरामजी कहते हैं-

थोरेहि महँ सब कहऊँ बुझाई। सुनहु तात मति मन चितलाई।।

मैं अरु मोर तोर तैं माया। जे हिं बस कीन्हे जीव निकाया।।

(श्रीरामचरितमानस अरण्यकाण्ड दोहा 14/1)

अर्थात्- मैं, मेरा, तू और तेरा यह विचार ही माया है। इसी धारणा ने सभी को वश में कर लिया है। इन्द्रियों के सुखों, विषय भोगों में मन जाता है तो इसे माया ही कहा जाता है। माया के दो भेद बतलाए गए हैं- 1. विद्या, 2. अविद्या।

विद्या रूपी भेद माया से मुक्त करती है।

अविद्या-अविद्या रूपी माया जीव को जन्म मरण के चक्कर में भटकाती रहती है। मृत्यु और जन्म के चक्कर में फंसी रहती है।

ज्ञान किसे कहते हैं?

अच्छा प्रवचनकार, प्रकाण्ड पंडित, शास्त्रज्ञ, अनेक भाषाओं का जानकार ज्ञानी है।

पंडित और ज्ञानी में क्या भेद है?

ग्यान मान जहँ एकउ नाहीं। देख ब्रह्म समान सब माहीं।।

(श्रीरामचरितमानस अरण्य दोहा 14/4)।

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, %यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है।% भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-ख़ास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-ख़ास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है% और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं।

नेताओं पर नकैल - अब आयोग के माध्यम से 'चुनाव सुधार' की पहल....?

ओमप्रकाश मेहता

अब आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में भारतीय चुनाव आयोग अब तक चली आ रही चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर कुछ अहम् अधिकारों की मांग कर रहा है। हाल ही में चुनाव आयोग ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय को आधा दर्जन सुझाव भेजे है, ये सुझाव मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में सुधार को लेकर है।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय को चुनाव सुधार के छः अहम् सुझाव भेजे है, इन सुझावों में अब एक उम्मीदवार एक ही सीट से प्रत्याशी, ओपीनियन एग्जिट पोल पर नियंत्रण, मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने के साथ आयोग ने राजनीतिक दलों के पंजीकरण रद्द करने का अधिकार भी मांगा है। आयोग ने अपने हर सुझाव के बारे में कुछ तथ्य व दलीलें भी पेश की है, यह सुझाव कानून मंत्रालय के विचाराधीन है।

अब यह तो तय है कि देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृष्य में चुनाव आयोग को बिना ''ऊपर'' से इशारा मिले राजनीति से जुड़े ऐसे प्रस्ताव भेजने की आयोग की हिम्मत तो हो नहीं सकती, अतः यही कहा जा सकता है स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही मौजूदा चुनावी प्रक्रिया में सुधार चाहते है और वे यह कार्य संवैधानिक मर्यादा में रहकर चुनाव आयोग के माध्यम से पूरे करना चाहते है, शायद उनकी इसी भावना को मूर्तरूप देने के लिए चुनाव आयोग ने अपनी तरफ से ये सुझाव केन्द्र सरकार के कानून मंत्रालय को भेजे है और कोई आश्चर्य नहीं होगा कि केन्द्र सरकार इन प्रस्तावों पर अपनी मंजूरी की मोहर लगाकर तथा कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अगले चुनावों के पहले इन्हें लागू भी कर दे? यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-33 (सात) में संशोधन का अनुरोध किया है ताकि एक उम्मीदवार कितनी सीटों से चुनाव लड़ सकता है, उसकी संख्या को सीमित किया जा सके। आज देश में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 लागू है जो किसी भी व्यक्ति को दो निर्वाचन क्षेत्रों से मुख्य या उपचुनाव में उम्मीदवारी की अनुमति देता है, उल्लेखनीय है

चुनाव आयोग ने वर्ष 2004 में भी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 33(7) में संशोधन का प्रस्ताव रखा था, जो आज अठारह साल बाद भी केन्द्रीय कानून मंत्रालय के विचाराधीन है, अब पुनः नए सिरे से भारतीय चुनाव आयोग ने केन्द्र सरकार से ईशारा पाकर ये सुझाव फिर से केन्द्रीय कानून मंत्रालय को भेजे है और आयोग उम्मीद कर रहा है कि इन सुझावों को केन्द्र की मंजूरी और आवश्यक कानूनी खानापूर्ति के बाद यथाशीघ्र लागू कर दिया जा सकेगा। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग इन सुझावी कदमों के माध्यम से अपनी चुनावी प्रक्रिया सरल करना चाहता है, नेताओं के एकसाथ दो सीटों से चुनाव लड़ने का नियम वह उम्मीदवारों की भीड़ कम करने के लिए खत्म करना चाहता है। चुनाव आयोग के एक अन्य सुझाव वोटर कार्डको आधार कार्ड से लिंक करने के सुझाव के पीछे फर्जी मतदान रोकने की धारणा है, क्योंकि आज हर चुनाव में फर्जी मतदान की शिकायतें आम हो गई है। आयोग के सुझावों में एक अहम् सुझाव ओपीनियन व एग्जिट पोल पर प्रतिबंध लगाने का भी है, उसकी धारणा है कि इस प्रक्रिया के चलते चुनाव परिणामों की अधीकृत घोषणा के पूर्व राजनीतिक विद्वेष और आपसी मनमुटाव की स्थिति हर कहीं पैदा होती है, इसलिए इस प्रक्रिया पर भी अंकुश लगाया जाना चाहिये। इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों के साथ चुनाव आयोग ने एक सुझाव के माध्यम से केन्द्र से यह अधिकार मांगा है कि वह निष्क्रीय और उम्मीदवार खड़े नहीं करने वाले छुटभैया राजनीतिक दलों के पंजीकरण भी रद्द कर सके। ये छोटे और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की संख्या चुनावों के पूर्व कुकुरमुत्तों की तरह बढ़ जाती है और चुनाव के समय से समर्थन का नाटक खेल कर काफी धन जमा करने का प्रयास करते है और चुनाव आयोग पर रौब झाड़ने का प्रयास करते है, इसलिए चुनाव आयोग ने केन्द्रीय कानून मंत्रालय से ऐसे राजनीतिक दलों को पंजीकरण खत्म करने का अधिकार मांगा है, जिससे कि राजनीतिक क्षेत्र में शुद्धता लाई जा सके। इन प्रस्तावों के साथ ही चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को दो हजार रूपए से अधिक मिलने वाले दान की जांच का भी अधिकार मांगा है।

(20 जून) विश्व शरणार्थी दिवस

सूडोकु नवताल- 6107

★★★✭✩ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6106 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

20 जून के दिन दुनियाभर में वर्ल्ड रिफ्यूजी डे मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थियों के साहस को सम्मानित करने के लिए इस दिन को मनाता है। दुनियाभर में शरणार्थियों के साहस और शक्ति को सम्मानित करने के लिए हर साल 20 जून को वर्ल्ड रिफ्यूजी डे मनाया जाता है।

हर साल की 20 जून को 'विश्व शरणार्थी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में शरणार्थियों की मदद की जाती है। साथ ही उनकी स्थिति के प्रति जागरूकता फैलाई जाती है।

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य शरणार्थियों की शक्ति, हिम्मत और दृढ़ निश्चय को स्वीकृति प्रदान करना है।

दुनिया भर में एक बड़ी संख्या में शरणार्थी रहते हैं। निरंतर प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा की चुनौतियों के कारण अपना देश छोड़कर उन्हें बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। कई देशों में उन्हें पनाह मिल जाती है। वहीं, कई देशों से निकाल भी दिया जाता है। बेशक इन्हें पनाह मिल जाए, लेकिन वो सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाते। हर साल 'वर्ल्ड रिफ्यूजी डे' मनाने का मुख्य उद्देश्य शरणार्थी के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करना है।

इसके साथ ही इस दिन को

मनाये जाने का एक अन्य उद्देश्य शरणार्थियों की दुर्दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना और उनकी समस्याओं का हल करना है।

म्यांमार, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान, मलेशिया, यूनान और अधिकांश अफ़्रीकी देशों के लाखों नागरिक हर साल दूसरे देशों में शरणार्थी के रूप में शरण लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था युएनएचसीआर (ह्वाष्टक्र) रिफ्यूजी लोगों की सहायता करती है।

दुनिया भर में 20 जून को वर्ल्ड रिफ्यूजी डे के तौर पर मनाया जाता है, लेकिन पहले यह इस दिन नहीं मनाया जाता था। 4 जून 2000 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे मनाने की घोषणा की। इसे मनाने के लिए 17 जून तारीख तय की गयी।

इसके अगले साल, 2001 में संयुक्त राष्ट्र ने पाया कि इस वर्ष 1951 के शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित कन्वेंशन के 50 साल पुरे होंगे, जिसके बाद यह दिन 17 की बजाय 20 जून को मनाया जाने लगा। तब से ही हर साल यह दिन 20 जून को मनाया जाने लगा।

शरणार्थी वो इंसान होता है जो उत्पीड़न, युद्ध या हिंसा के कारण अपना देश छोड़कर किसी दूसरे देश में रहने के लिए जाता है और डर के नाते वापस अपने मुल्क़ लौटना नहीं चाहता है।

किसी देश में मौजूद राजनीतिक, धार्मिक और साम्प्रदायिक उत्पीड़न के कारण भी लोग शरणार्थी बनते हैं।

शरणार्थी संकट के कारण--- संघर्ष,,हिंसा,युद्ध,बढ़ती अमीरी-ग़रीबी,आंतरिक अस्थिरता,बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप इसके अलावा, प्राकृतिक प्रकोप जैसे कारण भी शरणार्थी संकट के लिए ज़िम्मेदार हो सकते हैं ।

शरणार्थी संकट का असर--- मानवाधिकारों का हनन,मानव तस्करी,,पहचान का संकट,राष्ट्रीय सुरक्षा को ख़तरा (आतंकवाद),राजनीतिक अस्थिरता,जनसँख्या में वृद्धि,अराजकता,अलगावाद की समस्या इसके अलावा, शरणार्थियों को रास्ते में कई मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है जिसमें उनकी जान भी चली जाती है।

भारत ने न तो शरणार्थी कन्वेंशन 1951 पर दस्तख़त किए हैं और न ही शरणार्थी कन्वेंशन से जुड़े 1967 के प्रोटोकॉल पर।

सैन्यपथ बन गया अग्निपथ !

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जैसा कि मैंने परसों लिखा था, अग्निपथ योजना के विरुद्ध चला आंदोलन पिछले सभी आंदोलन से भयंकर सिद्ध होगा। वही अब सारे देश में हो रहा है। पहले उत्तर भारत के कुछ शहरों में हुए प्रदर्शनों में नौजवानों ने थोड़ी-बहुत तोड़-फोड़ की थी लेकिन अब पिछले दो दिनों में हम जो दृश्य देख रहे हैं, वैसे भयानक दृश्य मेरी याददाश्त में पहले कभी नहीं देखे गए। दर्जनों रेलगाड़ियों, स्टेशनों और पेट्रोल पंपों में आग लगा दी गई, कई बाजार लूट लिये गए, कई कारों, बसों और अन्य वाहनों को जला दिया गया और घरों व सरकारी दफ्तरों को भी नहीं छोड़ा गया। अभी तक पुलिस इन प्रदर्शनकारियों का मुकाबला बंदूकों से नहीं कर रही है लेकिन यही हिंसा विकराल होती गई तो पुलिस ही नहीं, सेना को भी बुलाना पड़ जाएगा। कोई आश्चर्य नहीं कि अगर सरकार का पारा गर्म हो गया तो भारत में चीन के त्येन आन मान स्कवेयर की तरह भयंकर हत्याकांड शुरु हो सकता है। मुझे विश्वास है कि मोदी सरकार इस तरह का कोई बर्बर और हिंसक कदम नहीं उठाएगी। ऐसा कदम उठाते समय हो सकता है कि छात्रों और नौजवानों को भड़काने का दोष विपक्षी नेताओं के मत्थे मढ़ा जाए लेकिन मैं पहले ही कह चुका हूं कि नौजवानों का यह आंदोलन स्वतः स्फूर्त है। इसका कोई नेता नहीं है। यह किसी के उकसाने पर शुरु नहीं हुआ है। यह अलग बात है कि विरोधी दल अब इस आंदोलन का फायदा उठाने के लिए इसका डटकर समर्थन करने लगें, जैसा कि उन्होंने करना शुरु कर दिया है। इस आंदोलन से डरकर सरकार ने कई नई रियायतों की घोषणाएं जरुर की हैं और वे अच्छी हैं। रक्षामंत्री राजनाथसिंह का रवैया काफी रचनात्मक है और भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने तो यहां तक कह दिया है कि चार साल तक फौज में रहनेवाले जवान को वे अपने दफ्तर में सबसे पहले मौका देंगे। चार साल का फौजी अनुभव रखनवाले जवानों को कहीं भी उपयुक्त रोजगार मिलना ज्यादा आसान होगा। इसके अलावा इस अग्निपथ योजना का लक्ष्य भारतीय सेना को आधुनिक और शक्तिशाली बनाना है और पेंशन पर खर्च होनेवाले पैसे को बचाकर उसे आधुनिक शास्त्रास्त्रों की खरीद में लगाना है। अमेरिका, इस्राइल तथा कई अन्य शक्तिशाली देशों में भी कमोबेश इसी प्रणाली को लागू किया जा रहा है लेकिन मोदी सरकार की यह स्थायी कमजोरी बन गई है कि वह कोई भी बड़ा देशहितकारी कदम उठाने के पहले उससे सीधे प्रभावित होनेवाले लोगों की प्रतिक्रिया जानने की कोशिश नहीं करती।

देहात थाना क्षेत्र में एक साथ चार चोरियां, लाखों का जेवर नगदी ले गए चोर, एक ट्रैक्टर भी हुआ चोरी

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बिस्मिल नगर इलाके से बीती रात चोरों ने एक मकान का टीन सेट उठाकर लाखों रुपए के जेवर एवं नकदी चोरी कर ले गए, तो वहीं अगल-बगल मैं स्थित दो दुकानों से भी सामान भरकर ले गए। इसके अलावा प्रेम नगर इलाके से अज्ञात चोर एक ट्रैक्टर चोरी कर ले गए। एक साथ चार चोरी की वारदातों से पुलिस की टेंशन बढ़ गई है और अब वह चोरों की तलाश में लग गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थी सिंह तोमर निवासी डीएफओ कार्यालय मार्ग बिस्मिल नगर कुछ दिनों से अस्वस्थ होने के कारण अपनी पुत्री के पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित निवास में रह रहे थे और उनके ऑपरेशन की तैयारी चल रही थी, घर सूना था। शनिवार-रविवार की देर रात अज्ञात चोर गिरोह मकान के पीछे से आए और टीन शेड उठाकर मकान में प्रवेश कर गए चोर गिरोह ने मकान में अलमारी एवं संदूको को तोड़कर 4 लाख से अधिक के सोने चांदी के जेवर जिनमें सोने की चार चूड़ी, अंगूठी, 2 जंजीर एवं अन्य जेवरात शामिल थे। इसके अलावा घर में 3 लाख 40 हजार रुपए नगद रखे हुए थे, उन्हें भी चोर ले उड़े। फरियादी नत्थी सिंह ने बताया कि लोहे का टीन सेट काफी भारी था और उसे कम से कम 4 से 6 लोगों ने उठाया होगा। फिलहाल उन्होंने थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। इसके अलावा चोर गिरोह ने नत्थी सिंह के मकान के अगल-बगल में स्थित एक दुबे एवं रॉकी गुप्ता की दुकान में भी सेंधमारी कर दी तथा मेवा एवं नगद रकम उठाकर ले गए। एक ही स्थान पर तीन स्थानों से हुई चोरी ने पुलिस की टेंशन बढ़ा दी है और अब पुलिस चोर गिरोह की तलाश में जुट गई है। इधर प्रेम नगर इलाके से अज्ञात चोर एक ट्रैक्टर भी चोरी कर ले गए हैं, जिसकी छानबीन में पुलिस जुटी हुई है।

नगर पालिका वार्ड पार्षद पद के लिए 71 लोंगो ने की दावेदारी प्रस्तुत

अंबाह। नगर पालिका परिषद अंबाह के लिए इन दिनों चुनाव प्रक्रिया जारी है। इसी के तहत नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन नगर के 18 वार्डों के लिए 71 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। प्रशासन आज नामांकन पत्रों की जांच करेगा जिसके बाद नाम वापिसी का क्रम प्रारंभ होगा व 22 जून को चुनाव चिन्ह आवंटन करने का कार्य किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन बड़ी संख्या में तहसील परिसर में लोगों की भीड़ लगी रही और अपने अपने समर्थकों के साथ प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया।

आदित्य ने झोपड़पट्टी के बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

मुरैना। क्लीन ग्रीन टीम अम्बाह के सह-संयोजक आदित्य सारवान ने अपना जन्मदिन अम्बाह के खजूरी रोड़ पर स्थित झोपड़पट्टी के बच्चों के साथ केक काट कर मनाया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को पुस्तक, पेन्सिल एवं खिलौने वितरित किए। उसके बाद उन्होंने परेड रोड स्थित क्षत्रपाली गौशाला में गायों को आटे की लोईयां बनाकर खिलाई और संकल्प लिया कि आज से वे रोज गौशाला आकर गायों को 101 लोईयां बनाकर खिलाएंगे। इस अवसर पर टीम के आदित्य सारवान, बृजकिशोर कुशवाहा, भावेश कुमार, उत्कर्ष मोर्य, अभिषेक करोसिया, सुमित डागौर, करन सारवान, अमन सारवान, गौरव सारवान, कुनाल सारवान एवं अन्य युवा समाजसेवी मौजूद रहे।

ऐसा कोई कार्य ना करें जिससे निर्वाचन प्रक्रिया बाधित होः समाधिया

गांव गांव जाकर एसडीएम ने लोगों से किया संवाद

अंबाह। पंचायत चुनाव के लिए 25 जून को मतदान होना है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन मुस्तैद है। प्रशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए जनता के बीच पहुंचकर लोगों से संवाद कर रहा है। इसी कड़ी में एसडीएम राजीव समाधिया एवं एसडीओपी परिमाल सिंह मेहरा ने अपने अमले के साथ भ्रमण कर जगह-जगह लोगों से संवाद किया और चुनाव के समय शांति बनाए रखने की अपील की। प्रशासनिक अधिकारियों की यह टीम बरवाई, भदौरियापुरा, हरिश्चंद्र का पुरा, पलना, कोलुआ, थरा, जालौनी सहित अनेक गांव में पहुँची। यहां पर आम जनता के साथ संवाद किया गया। ग्राम भदौरिया पुरा में एसडीएम राजीव समाधिया ने कहा कि प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर अपनी नजर बनाए हुए है। थरा गांव में मतदाताओं के बीच पहुंचे एसडीएम और एसडीओपी ने जनता से कहा कि कोई भी ऐसा काम न करें जिससे शांति भंग हो या चुनाव प्रक्रिया बधित हो या किसी को कोई परेशानी हो। लोगों से संवाद करते हुए एसडीएम ने कहा कि पंचायत चुनाव में शांति पूर्वक मतदान करें। किसी तरह के लालच या दबाव में न आकर अपने मताधिकार का प्रयोग अपने विवेक से करें। वहीं लोगो ने भी इस बात को लेकर प्रशासन की बातों पर सहमति देकर अपनी जिम्मेदारी तय कर आम चुनाव में शांति व्यवस्था कायम रखने की बात कही। ज्ञात रहे कि ब्लॉक की कई पंचायतों में पूर्व में चुनाव में बाधाएं और शांति सौहार्द बिगाड़ने को लेकर आसामाजिक तत्व अन्य गतिविधियां करते रहे हैं। जिसके चलते चुनाव प्रक्रिया बाधित होती है। इसको लेकर प्रशासन इस बार हर पंचायत में अपनी व्यवस्था स्थापित करने नजर बनाए हुए है। हालांकि पंचायत चुनाव में कुछ ही स्थानों पर रंजिश और अन्य कारणों के चलते विवाद सामने आते है, जिसके लिए प्रशासन ने मतदान के दिन पंचायत के बीच एक स्थान पर अतिरिक्त फोर्स तैनात करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही उपद्रव करने वालों की बांड राशि जप्त करने के साथ-साथ उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की योजना तैयार की है।

जिले की 8 नगरीय निकायों में 161 पार्षद पदों हेतु 921 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त

मुरैना। नगरीय निकाय निर्वाचन के लिये 18 जून तक जिले की 8 नगरीय निकायों में 161 पार्षद पदों हेतु 921 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये। जिसमें 414 पुरूष, 507 महिला उम्मीदवारों ने नाम-निर्देशन पत्र प्रस्तुत किये। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 से 18 जून तक नगर पालिका अम्बाह के 18 वार्डो के लिये 71 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये है, जिनमें 26 पुरूष, 45 महिलायें, नगर पालिका पोरसा में 15 वार्डो के लिये 77 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये है, जिसमें 36 पुरूष, 41 महिलायें है। नगर पालिक निगम मुरैना के 47 वार्डो के लिये 344 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिसमें 160 पुरूष, 184 महिलाएं, नगर पंचायत बानमौर के 15 वार्डो के लिये 64 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिसमें 35 पुरूष, 29 महिलायें, नगर पंचायत जौरा के 18 वार्डो के लिये 98 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिसमें 42 पुरूष, 56 महिलायें, नगर पंचायत झुण्डपुरा के 15 वार्डो के लिये 61 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिनमें 19 पुरूष, 42 महिलायें, नगर पंचायत कैलारस के 15 वार्डो के लिये 71 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिनमें 36 पुरूष, 35 महिलायें और नगर पालिका सबलगढ़ के 18 वार्डो के लिये 135 नाम-निर्देशन पत्र प्राप्त हुये, जिनमें 60 पुरूष और 75 महिलायें शामिल है। इन नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) 20 जून को प्रातः 10:30 से होगी। नाम वापसी 22 जून को प्रातः 10:30 से अपरान्ह 3 बजे तक होगी। इसके बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किये जायेंगे। प्रथम चरण में अम्बाह पोरसा नगर पालिकाओं के लिये 6 जुलाई को मतदान होगा और द्वितीय चरण में मुरैना, बानमौर, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ एवं झुण्डपुरा की नगरीय निकायों के लिये 13 जुलाई को मतदान प्रातः 7 से सायं 5 बजे तक सम्पन्न होगा।

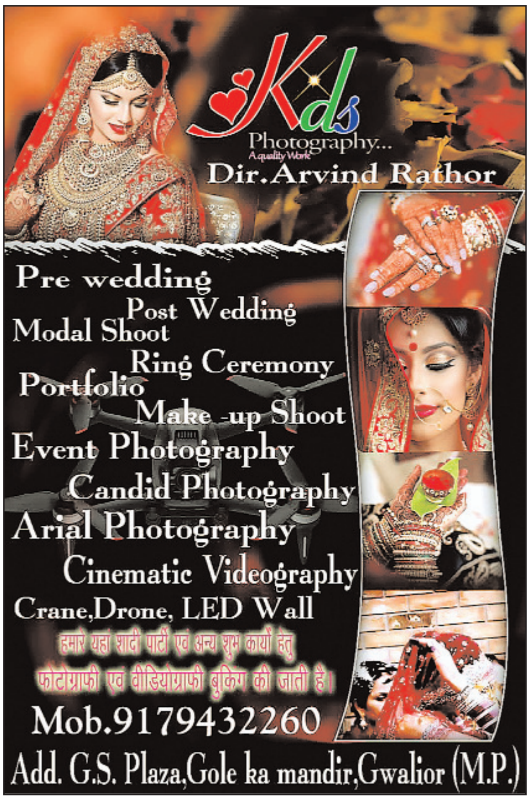

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

मुरैना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में लगाया गया बच्चों का समर कैंप जिसमें लगभग 50 से 55 बालक-बालिकाओं ने जो कि अब से 15 वर्ष के बीच के थे प्रथम दिवस लुधियाना से आए हुए डॉ हिमांशु गोयल ने सभी बच्चों को मेडिटेशन करना सिखाया एवं मेडिटेशन का महत्व बताया कि जो बच्चे प्रतिदिन मेडिटेशन करते हैं, उनकी स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। डॉ आरसी बांदिल ने बताया कि योग भी जरूरी है, उसके साथ में स्वास्थ्य भी बहुत जरूरी है, जैसे कि कहते हैं प्रथम सुख निरोगी काया। अतः आप लोग अपने स्वार्थ पर भी ध्यान दें, खास करके आप की भोजन पद्धति बहुत आवश्यक है, यह आपको जितना खाना है, कैसा खाना है और कब खाना यह बहुत आवश्यक है। आजकल जंक फ्रूट ज्यादा इस्तेमाल करते हैं जो कि स्वस्थ के लिए हानिकारक है, तत्पश्चात बच्चों के लिए सुलेख लेखन प्रतियोगिता कराई गई जिसमें गुंजन सिकरवार ने स्थान प्राप्त किया। अंत में बीके रितिका बहन द्वारा गेम खिलाया गया तथा प्रथम दिवस का समापन प्रसादी देकर हुआ। आयोजित समर केम्प में द्वितीय दिवस को भी डॉ हिमांशु गोयल द्वारा मेडिटेशन एवं गीत के माध्यम से नृत्य भी कराया व बीके नितिन भाई द्वारा योगाभ्यास भी कराया गया। द्वितीय दिवस की प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा एक निबंध बुलवाया गया। आयोजन के दौरान राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी रेखा बहन द्वारा सभी बच्चों को अच्छे संस्कारों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमेशा खुश रहना चाहिए व बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए। उनके द्वारा बताया गया कि अभी से आप लोगों को अपने लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए।

राज्य सेवा एवं वन राज्य सेवा की परीक्षा शान्तिपूर्ण सम्पन्न

प्रथम पाली में 5434 परीक्षार्थियों में से 4008, द्वितीय पाली में 3968 उपस्थित

मुरैना। राज्य सेवा एवं वन राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2021 शान्तिपूर्ण 17 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। कलेक्टर बी.कार्तिकेयन के निर्देशन में परीक्षा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिये 17 परीक्षा केन्द्रों पर कलेक्टर प्रतिनिधि के तौर पर जिलाधिकारी तैनात किये गये थे। इसके अलावा 17 परीक्षा केन्द्रों को दो भागों में बांटकर एक भाग के प्रभारी नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन और दूसरे भाग के प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी एसएल शाक्य बनाये गये। इनके अलावा अन्य राजस्व, पुलिस अधिकारियों का उड़नदस्ता गठित किया गया, जो प्रथम एवं द्वितीय पाली में लगातार परीक्षा केन्द्रों पर निगरानी बनाये रखे। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य सेवा एवं वन राज्य सेवा में मुरैना जिले के कुल 5 हजार 434 छात्र उपस्थित होने थे, जिसमें प्रथम पाली में 4 हजार 8 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 1 हजार 430 छात्र अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 3 हजार 968 छात्र उपस्थित रहे, जबकि 1 हजार 470 छात्र अनुपस्थित रहे।

प्रेक्षक रविन्द्र कुमार मिश्रा ने परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर मौका मुआयना किया : राज्य सेवा एवं वन राज्य सेवा के लिये तैनात किये गये प्रेक्षक रविन्द्र कुमार मिश्रा ने मुरैना शहर के अन्तर्गत अधिकतर मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को मार्गदर्शन भी दिये। उन्होंने महर्षि महाविद्यालय, पीजी कॉलेज, एमजी मेमोरियल, इमानुअल, महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल एवं गर्ल्स कॉलेज में पहुंचकर चल रही परीक्षा का अवलोकन किया। इसके अलावा नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन और एसडीएम मुरैना शिवलाल शाक्य, तहसीलदार अजय शर्मा सहित अन्य अधिकारी लगातार फील्ड में परीक्षा केन्द्रों पर निरीक्षण करते हुये दिखे।

प्रेक्षक ने भिण्ड जिले के परीक्षा केन्द्रों का भी निरीक्षण किया: प्रेक्षक रविन्द्र कुमार मिश्रा ने द्वितीय पाली में चंबल संभाग के भिण्ड जिले के 4 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया।

वार्ड 20 के घर घर में गूंज रहा एक ही नाम अबकी बार पिंकी राजू कुशवाह

ग्वालियर नगर निगम वार्ड 20 से प्रबल दबेदारी कर चुके पिंकी राजू कुशवाह की चर्चा पूरे वार्ड 20 में पिंकी राजू कुशवाह के समर्थन ने पूरा वार्ड एक जुट होकर जनसम्पर्क कर रहा हैं और युवाओं के साथ साथ वरिष्ठ लोग भी जनसम्पर्क करने में लगे हुए वार्ड में जगह जगह मीटिंग और रैली निकाल कर जागरूक कर रहे हैं

ओमप्रकाश काग ने आश्रम निर्माण के लिए 21 हजार रूपये किये सुपुर्द

पुष्पाजंली टुडे
चेन्नई –तारीख 19जून 2022 सुबह 12बजे बी .ओमप्रकाश पिता स्व .भॅवरलाल काग सीरवी केल्लमबाक्म ने अपने परिवार कि तरफ सु 21हजार रूपये पेरीयपालीयम श्री लिलडीया भेरुजी आईमाताजी सोऽहम आश्रम के निर्माण कार्य के लिए आश्रम के संचालक स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया। इस कार्यक्रम मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश संस्थापक आर जयराम देवासी तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन तिरुपोरुर तालुक प्रभारी पुखराज लेरचा सीरवी देवमिश्रा मौजुद थे ।इस महान योगदान के लिए ओमप्रकाश काग वह उनके पुरे परिवार का स्वामी तेजानन्द महाराज ने आभार वह हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभमगंल कामनाएं दी।

पुलिस थाना पिछोर ने ग्राम आगरा मल्हनी में झगड़ा करने वाले चार आरोपी दबोच कर भेजे जेल

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे
पिछोर, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी पिछोर दीपक सिंह तोमर के निर्देशन में व थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पंचायत चुनाव शांतिपूर्वक कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत ग्राम मल्हनी में झगड़ा करने वाले पार्टी क्रमांक 1 के भगवान सिंह जाटव शिवचरण जाटव निवासी आगरा व पार्टी क्रमांक 2 के अच्छे लाल जाटव इंद्रपाल जाटव निवासी गण आगरा को धारा 151 जाब्ता फौजदारी में गिरफ्तार किया भगवान सिंह व अच्छेलाल सगे भाई हैं दोनों पक्ष का बिजली का तार डालने को लेकर विवाद हो गया एवं आपस में लड़ गए और मारपीट की गणों को एसडीएम कोर्ट पिछोर पेश किया गया जहां पर एसडीएम द्वारा जेल भेजा गया थाना पिछोर की टीम में एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान प्रधान आरक्षक राघवेंद्र चौहान आरक्षक राघवेंद्र पाल जितेंद्र गुर्जर व कमल सिंह माझी शामिल रहे

वार्ड 21 के वासियों ने किया चुनाव का बहिष्कार बोले कोई भी प्रत्याशी ना आए वोट मांगने

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे
शिवपुरी– नगर पालिका चुनाव का विगुल फुक चुका है। सभी दलों के प्रत्याशियों ने मतदाताओं को मनाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं और घर–घर जाकर संपर्क कर रहे हैं। वहीं मतदाता भी अब चुनाव में खड़े होने वाले प्रत्याशियों की मंशा समझ चुके हैं। वह जानते हैं कि चाहे किसी भी दल का प्रत्याशी हो वह क्षेत्र में विकास कार्य कराने नहीं बल्कि अपना विकास कार्य करने के लिए आ रहे हैं और जनता को बेवकूफ बनाकर किसी भी तरह चुनाव जीतना चाहते हैं। लेकिन अब जनता को किसी भी दल का प्रत्याशी गुमराह नहीं कर सकता। वह समझ चुकी है कि चुनाव जीतने के बाद क्या होगा और किस तरह का विकास वार्ड का होगा। जनता इसलिए भी दुखी है कि पिछले कार्यकाल में जो पार्षद बने उन्होंने जनता की समस्याओं को कितना सुना और कितना उसको हल किया। जनता अब ऐसे पार्षद पद के पूर्व व नए प्रत्याशियों को सबक सिखाने के मूढ में आ गई है। ऐसा ही एक मामला शिवपुरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 21 से आया है। यहां के रहवासियों ने नगर पालिका चुनाव का बहिष्कार कर दिया है। वार्डवासियों ने कहा कि किसी भी दल का प्रत्याशी उनके यहां वोट मांगने के लिए संपर्क करने न आए।

क्यों किया ?बहिष्कार, जाने कारण

वार्ड 21 के रहवासियों ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान के तहत पिछले आठ सालों में अरबों रूपए खर्च किए गए। लेकिन स्वच्छता तो कहीं भी नजर नहीं आई। दीनदयाल पुरम झांसी रोड जहां के निवासियों द्वारा

पिछली वर्ष वर्षा ऋतु में कॉलोनी में 100 फीसदी घरों में 5 से 8 फीट तक पानी भर गया था तथा एक साल बाद फिर से वर्षा ऋतु आ गई है परंतु कॉलोनी के रहवासियों की समस्या यथावत बनी हुई है। इस समस्या की मुख्य वजह कॉलोनी के पास स्थित एक तलैया है जिस पर धीरे–धीरे अतिक्रमण होने से तथा कॉलोनी के तथा तलैया के जलनिकास के लिए जो नाला हाउसिंग बोर्ड द्धारा बनाया गया था उस पर भ्ज्ञी अतिक्रमण हो जाने से तथा तलैया की नियमित सफाई न होने से उसमें बहुत अधिक मात्रा में गंदगी पड़ी रहने के कारण यह स्थिति बनी है। इस कारण न केवल कॉलोनी निवासी दुर्गंध का शिकार हो रहे हैं बल्कि उन्हें बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। इसके अलावा कॉलोनी की सीवजर लाइन का पानी घर में एवं सड़कों पर भरा रहता है। ऐसी स्थिति पिछले दस महीने से बनी हुई है। इस संबंध में कॉलोनी निवासी द्धारा प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय, सांसद, क्षेत्रीय विधायक, कलेक्टर, पुलिस थाना में आवेदन दिए लेकिन आज दिनांक तक कोई सुनवाई नहीं हुई। अब वर्षा ऋतु आ गई है और कॉलोनी में जल भराव की समस्या पैदा हो गई है। यही कारण है कि अब हम मतदान का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से कहा कि वह वोट मांगने के लिए उनसे मुलाकात नहीं करे। कॉलानी में 200 से अधिक मतदाता रहते हैं तथा पिछली बार प्रत्येक निवासी को लगभग दो लाख से अधिक का नुकसान हुआ जिसका नाममात्र का मुआवजा 6 हजार रूपए दिए गए तथा आज दिनांक तक अधिकारियों, जनप्रति?निधियों से बार–बार मिलने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। इसलिए उन्हें मतदान के बहिष्कार के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। निवासियों का यह भी कहना है कि मतदान के बहिष्कार के बाद भी यदि कॉलोनी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे।

इनका कहना है

हर साल यहां पानी भर जाता है। वहीं सीबर चेंबर भी हर महीने भर जाता है। हम चेंबर साफ कराने के लिए प्रायवेट कर्मचारियों को 5 हजार रूपए हर महीने दे रहे हैं। नगर पालिका वाले हमारी सुनते हैं। वार्ड के पार्षद, विधायक हमारी नहीं सुनते हैं। अगर समस्या का हल नहीं हुआ तो हम चुनाव में वोट भी नहीं देंगे।

जानकी बाई शर्मा, स्थानीय निवासी?

अगर हमारी समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो चुनाव का बहिष्कार करेंगे। अतिक्रमण हटाकर पानी की समस्या का निराकरण करो, सीवर लाइन की समस्या का निराकरण करो। अब वर्षात हो रही है जल भराव की समस्या के कारण हम रात में सो भी नहीं पा हे हैं। हमारे घर में बुजुर्ग माता पिता है, कहां लेकर जाए। हमने विधायक से लेकर पार्षद तक शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब हम बहिष्कार कर अपना विरोध दर्ज करवाएंगे।

ज्योति पांडे, स्थानीय निवासी

सीरवी नवयुवक मंडल ग्राम ईकाई बिलाड़ा तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

पुष्पाजंली टुडे
जोधपुर –बिलाड़ा सीरवी नवयुवक मंडल ग्राम ईकाई बिलाड़ा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर सीरवी मोतीसिंह स्टेडियम बिलाड़ा में अतिथियों श्री शाखा प्रबंधक एल. आई .सी. सुरेश चंद मीणा, डॉक्टर दिनेश सोलंकी द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन विभिन्न योग आसन्न किए गए जिसमे मुख्य रूप सूर्यनमस्कार, दंडादासन, पश्चिमोतासन, गोमुखासन, मंडूकासन, वज्रासन, भद्रासन इसके अलावा पीठ के बल लेटकर किए जाने वाले विभिन्न आसन किए। अट्ठास एवम सिहासन आसन में खूब हंसी ठिठोले किए। अध्यक्ष चेनाराम पालावत ने विभिन्न योग के लाभ एवम विधियों के बारे में बताया। योग प्रशिक्षक अमरचंद पटेल एवम चन्द्र प्रकाश पटेल ने भस्त्रिका, कपालभाती, अनुलोम विलोम प्राणायाम की विधि और लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इनके साथ योग प्रशिक्षक कमलेश, एवम सुरेन्द्र काग ने भी योग की विभिन्न मुद्राओं के बारे में बताया। योग प्रशिक्षण के प्रथम दिवस के अंत में तमन्ना एवम कमलेश भाटी द्वारा योगिक नृत्य किया गया। बाल योगी साक्षी एवम दिव्या द्वारा भी विभिन्न एथलेटिक्स आसन्न किए। योग शिविर में सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति के अध्यक्ष नरेश पंवार, विकास अधिकारी एल .आई.सी.भंवरलाल कडेला, कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता जितेन्द्रसिंह राठौड़, एडवोकेट संजय सीरवी, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष तरुण मुलेवा, प्राध्यापक वीरेन्द्र राठौड़, पार्षद नेमाराम एवम भोलाराम राठौड़, गजाराम परिहार, दीनदयाल सोनी, पप्पूदास वैष्णव, चंदरसिंह राठौड़, रोहित काग सहित सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर लोगो ने योग एवम आसन्न का लाभ लिया। कार्यक्रम संयोजक रमेश राठौड़ ने बताया कि योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तीन दिन तक किया जाएगा जिसमें लोगो को विभिन्न योग सिखाए जायेंगे कार्यक्रम का प्रबंधन करने के लिए सचिव माधुसिंह लालावत, सुरेन्द्र राठौड़, दलपत सिंह राठौड़, महेंद्र पालावत, वीरेन्द्र ,भींवराज सहित कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे। योग शिविर में जूस की व्यवस्था सीरवी नवयुवक मंडल ग्राम बिलाड़ा के व्यस्थापक एवम भामाशाह सुरेंद्रसिंह राठौड़ द्वारा किया गया।

दतिया में आज कांग्रेस पार्टी को लगा एक और बड़ा झटका वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व मंडी अध्यक्ष श्रीराम यादव उर्फ नन्ना ने परिजनों सहित थामा भाजपा का दामन

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे
गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा के समक्ष ली भाजपा की सदस्यता ग्राम रेड़ा में गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा का श्रीराम नन्ना ने किया स्वागत ग्रामीण क्षेत्र में दिग्गज नेता माने जाते हैं श्रीराम नन्ना आने वाले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को भुगतना पड़ेगा इसका खामियाजा श्रीराम नन्ना के जाने से कांग्रेस पार्टी को लगा बड़ा झटका इस दौरान गुड्डी साहू जिला मंत्री अतुल भूरे चौधरी गिन्नी राजा रघुवीर कुशवाहा पंकज गुप्ता दीपक सचदेवा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता रहे मौजूद।

कर्ज से परेशान युवक पर रिकवरी एजेंट बना रहे थे दबाव, परिवार के नाम सुसाइड नोट लिख ट्रैन के सामने आ गया, चार दिन बाद मिली लाश

भोपाल। राजधानी के एमपी नगर इलाके मे स्थित रचना नगर रेलवे ट्रैक के पास बनी नाल मे से पुलिस ने एक युवक की लाश बरामद की है। सूचना पाकर मौके पर पहुचीं पुलिस को मोके से एक मिली एक पन्नी मे दस्तावेज सहित सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में मृतक ने कर्ज से परेशान होने के बात के साथ ही रिकवरी एजेंट समेत अन्य लोगों के नाम लिखे हैं, जो उस पर दबाव बना रहे थे। थाना पुलिस के अनुसार सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस टीम ने घटनास्थल से मिले दस्तावेज के आधार पर मृतक की पहचान सुदामा नगर कोकता, थाना बिलिखिरिया मे रहने वाले 34 वर्षीय अमर घोघिया पिता नानकराम घोघिया के रूप में की है। सूचना मिलने पर पहुचें मृतक के पिता नानकराम ने पुलिस को शुरुआती पूछताछ मे बताया कि उनका बेटा अमर विवाहित था, ओर गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में लेथ मशीन आपरेटर का काम करता था। परिवार ने लोन लिया हुआ था, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वो उसे जमा नही कर पा रहे थे। इस कारण रिकवरी एजेंट उसे परेशान कर रहे थे। बीते दिन वो घर से दूसरे शहर मे काम करने जाने का कहकर निकल गया था, जाने से पहले उसने अपना मोबाइल घर में ही छोड़ दिया था। परिवार वालो के लिये लिखे सुसाइड नोट मे मृतक ने लिखा है कि पापा आप बहुत अच्छे थे, बहुत प्यार करते थे। अब मैं जाना चाहता हूं, अब बाद में मिलूंगा। सुसाइड नोट में उसने पिता का नंबर लिखने के साथ ही माता पिता से माफी मांगी है। उसने पत्नी के लिए लिखा है, कि कर्ज से मैं बहुत परेशान हूं। वही दोस्तों के लिए लिखा था, कि मेरी लाश पापा तक पहुंचा देना। पुलिस ने बताया कि शव करीब तीन, चार दिन पुराना होने के कारण बुरी तरह से सड़ चुकी थी।

नर्सिंग कॉलेज पर पडा चोरो का साया, कंप्यूटर, प्रिंटर, बेट्री मशीन सहित 70 हजार का माल उडाया

भोपाल। राजधानी के खजूरी सड़क थाना इलाके के तूमड़ा गांव में बने नर्सिंग कॉलेज पर अज्ञात बदमाशो ने धावा बोलते हुए कॉलेज मे रखे कंप्यूटर, प्रिंटर, बेट्री मशीन समेत 70 हजार का माल उडा दिया। पुलिस ने नर्सिंग कॉलेज के डायरेक्टर की शिकायत पर जांच के बाद अज्ञात आरोपियो के खिलाफ मामला कायम कर आरोपियो की सुरागशी के प्रयास शुरू कर दिये है। पुलिस के अनुसार डॉ. राजदीप कपूर ने लिखित शिकायत करते हुए बताया कि वो ग्राम तूमड़ा में स्थित नर्सिंग कॉलेज के संचालक है। बीती चार जून शनिवार शाम को सारे कार्य खत्म होने पर कॉलेज मे ताला लगा दिया गया था।

जीएसटी दरों के युक्तिकरण और जीएसटी क़ानून एवं नियमों की नए सिरे से समीक्षा की कैट ने कि माँग

ग्वालियर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जीएसटी काउन्सिल द्वारा जीएसटी दरों के युक्तिकरण के प्रयासों की सराहना की है और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से आग्रह किया है कि दरों को युक्तिसंगत बनाने के साथ-साथ जीएसटी अधिनियमों और नियमों की नए सिरे से समीक्षा भी की जानी चाहिए क्योंकि मौजूदा जीएसटी ढाँचे के सरलीकरण की बहुत आवश्यकता है।कैट ने इस मांग रखने के संबंध में देश के सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों से मिलने की योजना बनाई है। कैट 25-26 जून, 2022 को नागपुर में देश के ट्रेड लीडर्स का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है, जो जीएसटी एवं ई-कॉमर्स दोनों पर एक राष्ट्रीय अभियान की रणनीति तैयार करेगा । यह अभियान सारे देश में एक साथ 1 जुलाई से शुरू होगा। दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान सभी राज्यों के लगभग 100 प्रमुख व्यापारी नागपुर सम्मेलन में व्यापारियों के अन्य अनेक ज्वलंत मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे ।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कुछ दिन पहले वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और जीएसटी अधिनियम और नियमों के सरलीकरण एवं जीएसटी के कर आधार को व्यापक बनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिससे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को अधिक राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने देश के प्रत्येक जिले में एक संयुक्त जीएसटी समिति के गठन का भी सुझाव दिया जिसमें जीएसटी के वरिष्ठ कर अधिकारी और संबंधित जिले के व्यापारिक नेता शामिल हों। समिति को जीएसटी कार्यान्वयन की निगरानी और व्यापारियों की शिकायतों के निवारण का कार्य सौंपा जाना चाहिए और जीएसटी के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सभी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टेकहोल्डर्ज़ से परामर्श के बाद जीएसटी की दर को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने टेक्सटाइल और फुटवियर को 5त्र के टैक्स स्लैब के तहत रखने पर बहुत जोर दिया।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी सी भरतिया और महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि देश के व्यापारिक समुदाय का विचार है कि वर्तमान में बड़ी संख्या में विभिन्न आइटम कर की दर के गलत ब्रैकेट में आती हैं और इसलिए दरों को युक्तिसंगत बनाने से पुनर्रचना का अवसर मिलेगा साथ ही विसंगतियों और असमानताओं से बचने के लिए जीएसटी टैक्स स्लैब को ठीक करने तथा सही टैक्स रेट में सही आइटम रखने का अवसर मिलेगा।

श्री भरतिया और श्री खंडेलवाल दोनों ने कहा कि कैट के झंडे तले देश के व्यापार संघों ने कर दरों को युक्तिसंगत बनाने पर आपसी चर्चा को शुरू कर दिया है। हालांकि यह एक बहुत ही प्रारंभिक चरण है, लेकिन यह माना जाता है कि छूट वाली श्रेणी में केवल आवश्यक वस्तुओं को शामिल किया जाना चाहिए और कच्चे माल या किसी भी तैयार उत्पाद के अभिन्न अंग के रूप में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं और रोटी, कपड़ा और मकान से संबंधित वस्तुओं के लिए 5त्र टैक्स स्लैब बनाया जाना चाहिए।व्यापारियों का यह भी विचार है कि 12त्र टैक्स स्लैब को समाप्त कर दिया जाना चाहिए और इसके स्थान पर 14त्र का एक नया स्लैब जो कि 12त्र और 18त्र की राजस्व तटस्थ दर है, को वर्तमान में 18त्र टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उच्च मूल्य की वस्तुओं जैसे सोना, चांदी, इसके आभूषण आदि को 1त्र कर की दर के तहत रखा जाना चाहिए।28त्र के स्लैब को केवल उच्च वर्ग के लोगों के इस्तेमाल की वस्तुओं तक ही सीमित रखा जाना चाहिए।

प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा डिजिटल भुगतान का क्रेज

डिजिटल भुगतान का चलन बढ़ने से बंद होने लगे एटीएम

भोपाल। डिजिटल भुगतान का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। शहरवासी खरीदारी करने के बाद विक्रेता को नकद नहीं, बल्कि अलग-अलग प्लेटफार्म से भुगतान कर रहे हैं। इसे वे खुद के लिए सहूलियत मानते हैं। यही वजह है एटीएम व बैंक से नगद निकासी करने वालों की संख्या कम हुई है। जिन एटीएम पर निकासी अधिक घटी है उन्हें बैंक बंद कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार गत एक साल में प्रदेश में 253 एटीएम बूथ बंद हुए हैं। यह बात हाल ही में एसएलबीसी की बैठक में सामने आई है। बैठक में यह भी कहा गया कि अब लोग तेजी से विकसित होने वाली तकनीक के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वे एटीएम या बैंक में जाकर क्यू में नहीं लगना चाहते हैं। बैंक की दृष्टि से भी एटीएम की संख्या घटा रही है।

मोबाइल से भुगतान के प्लेटफार्श्वर्म

मोबाइल से डिजिटल भुगतान करने के लिए लोगों ने अलग अलग प्लेटफार्म डाउनलोड कर रखे हैं। किसी ने भीम एप तो किसी ने गूगल पे,पेटीएम और फोन पे आदि डाउनलोड कर रखा है। यूपीआइ के अंतर्गत यह प्लेटफार्म आते हैं। इससे न तो पैसे खोने का डर रहता और न ही जेब कटने का।

प्रदेश में किस वर्ष कितने एटीएम संख्या रही

वर्ष	संख्या
2019	9316
2020	9320
2021	9453
2022	9200
253	एटीएम हुए बंद

ग्रामीण क्षेत्र में एटीएम की संख्या घट चुकी है। ग्रामीण क्षेत्र में सुनसान क्षेत्रों लगे एटीएम को चोरों ने तोड़ने का प्रयास भी किया। असुरक्षा के चलते ऐसे एटीएम को बैंकों ने बंद कर दिया। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक 253 एटीएम बूथ बंद किए जा चुके हैं।

बूथ बंद होने से बैंक की आर्थिक बचत

नाम न छापने की शर्त पर एक बैंक अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल भुगतान से बैंक के लिए सुविधा बढ़ी है। क्योंकि इससे बैंक में आने वालों की भीड़ घटी तो एटीएम की संख्या भी कम हुई है। एक एटीएम पर हर माह बैंक को 50 से 60 हजार रुपए खर्च करना पड़ता है। बैंक जब एटीएम बूथ किसी स्थान पर खोलता है तो उसे 10 हजार रुपये कीमत की एक दुकान किराए पर लेना होती है। एटीएम मशीन की सुरक्षा में 12-12 हजार रुपए के गार्ड तैनात करने होते हैं। मशीन में पैसा भरने से लेकर बिजली बिल के भुगतान पर हर माह 10 हजार रुपए खर्च होते हैं।

सिनेमा घर और नगरीय निकाय के वाहनों से होगा जिंगल्स का प्रसारण

भोपाल। मतदाताओं एवं अभ्यर्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार कराये गए जिंगल्स का प्रसारण नगरीय निकायों के वाहनों में लगे ध्वनि यंत्रों के माध्यम से कराने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये गए हैं।सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने कहा है कि सिनेमा घरों, नगरीय निकाय के फेसबुक पेज और व्हाट्सऐप ग्रुप में भी जिंगल्स प्रसारित किये जा सकते हैं।

20 जून को नामांकन पत्रों का परीक्षण होगा

महापौर पद के 151 और पार्षद के 28 हजार154 नामांकन पत्र जमा हुए

भोपाल। नगरीय निकाय चुनाव के लिए नामांकन जमा करने की आखिरी तारीख तक महापौर पद के लिए 151 और पार्षद पद के लिए 28 हजार 154 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र जमा किए। यह रात आठ बजे तक का आंकड़ा है, जो राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया है। महापौर पद के लिए तीन और पार्षद पद के लिए 1991 उम्मीदवारों ने आनलाइन नामांकन जमा किए हैं। 22 जून को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। इसी दिन उम्मीदवारों को प्रतीक चिह्न भी आवंटित कर दिए जाएंगे। इसके बाद निकाय चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि 11 जून से नामांकन जमा करने का सिलसिला शुरू हुआ था।

20 जून को नामांकन पत्रों का परीक्षण होगा। आयोग के मुताबिक महापौर पद के लिए 76 पुरुष और 74 महिला सहित एक थर्ड जेंडर उम्मीदवारों ने नामांकन जमा किए हैं। ऐसे ही पार्षद पद के लिए 13 हजार 464 पुरुष, 14 हजार 686 महिला और चार थर्ड जेंडर उम्मीदवारों ने नामांकन जमा किए हैं।

आयोग के सचिव राकेश सिंह ने बताया कि महापौर पद के लिए ग्वालियर में 12, जबलपुर में 17, इंदौर में 12, उज्जैन में तीन नामांकन जमा हुए हैं। इसी तरह पार्षद पद के लिए ग्वालियर में 709, जबलपुर में 729, इंदौर में 781 नामांकन जमा कराए गए हैं। अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त दलों के प्रतीक सुरक्षित रखें ~ राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राकेश सिंह ने सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अन्य राज्यों से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को भी वर्गीकृत करें। उनकी मान्यता के आधार पर उनके चुनाव प्रतीक सुरक्षित रखे जाएं।

दागी भी पा गए भाजपा का टिकट,सीएम की नाराजगी के बाद संगठन ने रद किए

भोपाल। भाजपा ने भोपाल-इंदौर सहित कुछ शहरों में आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों को टिकट दे दिया, लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संज्ञान में जैसे ही यह बात आई तो संगठन को टिकट बदलना पड़ा। दरअसल, इंदौर में भाजपा ने युवराज उस्ताद की पत्नी स्वाति काशिद को वार्ड 56 से टिकट दे दिया था। इसकी जानकारी मिलते ही सीएम ने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का पार्टी में स्थान नहीं है। इसके चलते इंदौर का टिकट काट दिया गया है। चौहान ने यह कहा कि उन्होंने कभी किसी को टिकट दिलाने की सिफारिश नहीं की, जो संगठन तय करता है, वही सर्वोपरि है।

भोपाल में ही दे दिया दो दागियों को टिकट

उधर, शनिवार सुबह प्रदेशाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले किसी भी व्यक्ति को पार्टी टिकट नहीं देगी। पार्टी की नीति आपराधिक छवि पर जीरो टालरेंस की है, लेकिन इसके दो घंटे बाद ही पार्टी ने भोपाल की नरेला विधानसभा क्षेत्र के दो दागियों को पार्षद का टिकट दे दिया। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक 44 से जिस भूपेंद्र सिंह चौहान (पिंकी भदौरिया) और बाबू मस्तान की पत्नी मशर्रत को वार्ड 40 में भाजपा ने टिकट दिया है, दोनों ही सट्टेबाजी और संगीन अपराधों से जुड़े हैं। हालांकि, भाजपा से ही मशर्रत पूर्व पार्षद रही हैं। कांग्रेस सरकार में बाबू मस्तान का मकान पुलिस ने ढहाया था।

बीमार कर सकती है मानसून की पहली बारिश

भोपाल। मानसून से पहले होने वाली बारिश को अम्लीय वर्षा भी कहा जा सकता है। क्योंकि गर्मी के मौसम में जमीन से उठने वाला वायु प्रदूषण आसमान में जमा होता है। ऐसे में बारिश होने पर आसमान में जमा प्रदूषण के जहरीले कण जमीन पर आते हैं। इन हानिकारक तत्वों के कारण पहली बारिश को अम्लीय बारिश कहा जाता है। जो कई तरह के रोग पैदा करती है। मौसम की पहली बारिश उच्च प्रदूषकों और अन्य जहरीले तत्वों के कारण अम्लीय होती है। वायुमंडलीय गैसें जैसे सल्फर डाइओक्साइड, ट्राइआक्साइड जब पानी में घुल जाती हैं तो सल्फ्यूरिक और अन्य एसिड बन जाते हैं जो गंजे पैच, एलोपीशिया एरिएटा , ब्रिटल हेयर, डर्मटाइटिस आदि का कारण बनते हैं। पानी में मौजूद प्रदूषक तत्वों और रसायन त्वचा और बालों के खराब होने की वजह बन सकती है। यही वजह है कि भीगने के बाद तुरंत शोवर की लेने के लिए कहा जाता है। पहली बारिश तापमान में अत्यधिक अंतर हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बदलने की वजह बन सकता है और हमें कई अन्य विकारों से भी ग्रस्त करती है। पहली बारिश भले ही राहत देने वाली हो पर इसमें भीगने से बचना जरुरी होता है।

प्रदेश में आज 977 केन्द्रों पर हो रही है पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा

55 हजार 700 अभ्यर्थी हो रहे हैं शामिल

इंदौर। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) की राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2021 रविवार को सुबह 10 बजे शुरू हुई। यह दो सत्रों में हो रही है। पहला सत्र सुबह 10 बजे से शुरू हुआ। दूसरा सत्र दोपहर 12 बजे से होगा। पीएससी ने इंदौर, भोपाल, ग्वालियर सहित 52 जिला मुख्यालयों में 977 केंद्र बनाए हैं। प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर 3 लाख 55 हजार 700 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सबसे ज्यादा केंद्र इंदौर में बनाए गए हैं। सबसे ज्यादा अभ्यर्थी भी इंदौर से परीक्षा देंगे।

प्रदेश के विभिन्न विभागों के राजपत्रित पदों पर राज्य सेवा परीक्षा के जरिए चयन किया जाता है। इस बार राज्य सेवा परीक्षा में 283 पदों को शामिल किया गया है। इस वर्ष राज्य सेवा के आवेदन करने का मौका अभ्यर्थियों को चार बार मिला। दरअसल दो अलग-अलग फैसलों के कारण पीएससी को आवेदन की अंतिम तारीख निकलने के बाद फिर से आवेदन की लिंक खोलनी पड़ी थी। पहला फैसला अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों के लिए मप्र में जीवित रोजगार पंजीयन की अनिवार्यता खत्म करने और दूसरा अंतरिम आदेश सिर्फ एक अभ्यर्थी को आयु सीमा में छूट दिए जाने को लेकर था।

रविवार को हो रही परीक्षा के लिए बने कुल 977 केंद्रों में से सबसे ज्यादा 116 केंद्र इंदौर में हैं। यहां करीब 44 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। आगर-मालवा के केंद्र पर सबसे कम करीब एक हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। बीते दिनों चुनाव ड्यूटी कर रहे कुछ कर्मचारी परीक्षा तारीख आगे बढ़ाने की मांग लेकर उच्च न्यायालय गए थे, हालांकि कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

पेंशन भोगियों को तत्काल 17 प्रतिशत महंगाई राहत दे मध्य प्रदेश सरकार: कमलनाथ

विश्राम करने की उम्र में पेंशन भोगियों को करना पड़ रहा है जल सत्याग्रह

3 लाख कर्मचारियों के लिए बहाल की जाए पुरानी पेंशन

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारी और सेवारत कर्मचारियों के विरोध की नीतियों पर काम कर रही है। प्रदेश के साढ़े चार लाख पेंशनभोगी महंगाई राहत की लंबे समय से मांग कर रहे हैं लेकिन उन्हें 17 प्रतिशत महंगाई राहत अब तक नहीं दी गई है। हालत यह है कि सेवानिवृत्त लोगों को वृद्धावस्था में जल सत्याग्रह जैसा कठोर कदम उठाना पड़ रहा है। आए दिन खुद को श्रवण कुमार घोषित करने वाले मुख्यमंत्री को तत्काल सेवानिवृत्त कर्मचारियों से उनको हुए कष्ट के लिए माफी मांगनी चाहिए और उन्हें महंगाई राहत देनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने आज जारी एक बयान में यह बात कही।कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश के साढ़े चार लाख से अधिक शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पेंशनर्स 17 प्रतिशत महंगाई राहत की मांग निरंतर कर रहे हैं। जुलाई 2022 से शासकीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को देय महंगाई भत्ते में वृद्धि होना भी सम्भावित है। पेंशनर्स इस लाभ को पाने के भी हकदार होंगे। महंगाई राहत का अंतर भी अत्यधिक हो जाएगा। कमलनाथ ने कहा कि भारत सरकार में कर्मचारियों और पेंशनर्स को महंगाई भत्ता और राहत साथ-साथ देने की नीति का पालन होता आ रहा है परन्तु मध्यप्रदेश में इस नीति का पालन वर्षों से नहीं हो रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्तन बोले- कांग्रेस में जितने कार्यकर्ता बचे, वो समर्पित हैं

इंदौर। इंदौर में यंग इंडिया क्लब द्वारा झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन ने सिंधिया परिवार पर कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि परिवार ने अपनी मातृ संस्था से दगा कर अपने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाया है। जो लोग मुखौटा लगाकर बात करते हैं, उनकी असलियत हमें समझनी होगी। आज भाजपा में हर किसी को प्रवेश मिल रहा है। यह देखते ही नहीं कि वह दलबदलू है, गद्दार है या क्या है। कांग्रेस में अब जितने भी नेता बचे हैं, वे न तो दलबदलू ,हैं न गद्दार हैं, वे समाज, देश और पार्टी के प्रति समर्पित नेता हैं। इंदिराजी के समय में जो हालत हमारी थी, अब वही हालत कांग्रेस की हो गई है।

इस अवसर पर प्रदेश महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अर्चना जायसवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। वहीं हंसदास मठ के पं. पवनदास शर्मा, महंत अमितदास एवं अखंडधाम के संत राजाराम भी मौजूद थे। प्रारंभ में यंग इंडिया क्लब के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल, यशवंत गायकवाड़, श्रवण गोधा, विनोद व्होरा, सुधीर सेठिया, रमेश सेन, सुधीर काला आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पूर्व वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने झांसी की रानी के बलिदान दिवस पर मानव श्रृंखला बनाकर एकता-अखंडता का संदेश दिया।

ऑनलाइन गैम्बलिंग स्कीमों को स्टार खिलाड़ियों द्वारा प्रमोट करने पर हाई कोर्ट ने जताई चिंता

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि आनलाइन गैम्बलिंग स्कीमों को स्टार खिलाडियों द्वारा प्रमोट किया जा रहा है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने मामले को बेहद गंभीरता से लेकर युवाओं को बचाने की मंशा से वैधानिकता की जांच पर बल दिया है। इस सिलसिले में केंद्रीय विधि, गृह मंत्रालय व राज्य के विधि विभाग को निर्देश जारी किए हैं।

इन मंत्रालयों के सचिवों व प्रमुख सचिव को इस बात का परीक्षण करने के निर्देश हैं कि क्या ऐसी आनलाइन गैम्बलिंग स्कीम देश के कानून के तहत चल रही हैं। यदि ऐसा नहीं तो फिर देश के युवाओं को अवैध गतिविधियों की ओर मुड़कर अपना भविष्य बर्बाद करने से बचाने के लिए इन पर नियंत्रण की दरकार है। कोर्ट ने इस संदर्भ में 30 दिन के भीतर शपथपत्र पर जांच रिपोर्ट पेश करने के सख्त दिशा-निर्देश दिए हैं।

आनलाइन गैम्बलिंग में गंवाए नाना के साढ़े आठ लाख

सिंगरौली जिले के सनत कुमार जैसवाल की जमानत अर्जी पर हाई कोर्ट सुनवाई कर रही थी। सनत पर आरोप है कि उसने अपने नाना के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सरई के खाते से आठ लाख, 51 हजार रुपये अवैध रूप से निकाल लिए। इस रकम को उसने आईपीएल के सट्टे व अन्य आनलाइन गैम्बलिंग स्कीमों में लगाकर बर्बाद कर दिया। रिपोर्ट पर धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने 21 दिसम्बर 2021 को गिरफ्तार किया। इसी मामले में जमानत पाने आरोपित सनत की ओर से यह अर्जी प्रस्तुत की गई।जिस पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मामले को नया मोड़ देते हुए दिशा-निर्देश जारी कर दिए।

प्रदेश में दिखने लगा गेहूं के संकट का असर

गरीब परिवारों का दो किलो प्रति सदस्य गेहूं घटा, बदले में चावल मिलेगा

भोपाल। सरसों की बंपर खेती के चलते इस साल गेहूं की पैदावार कम हुई। समर्थन मूल्य की तुलना में बाजार में गेहूं के भाव ज्यादा रहे, इसीलिए किसानों ने अपना गेहूं सरकार की बजाय व्यापारियों को बेचा है। अब इसके असर सामने आने लगे हैं, गरीब व जरूरतमंद परिवारों को उचित मूल्य की दुकान (पीडीएस) से मिलने वाले गेहूं के स्टाक में कटौती कर दी है। सरकार से मिलने वाले कुल राशन में पहले 80 फीसदी गेहूं और 20 फीसदी चावल होता था। जिसकी मात्रा इस महीने से 40 फीसदी गेहूं और 60 फीसदी चावल की कर दी गई है।

अब तक महीने में एक बार गरीब परिवार के प्रति सदस्य को चार किलो गेहूं व एक किलो चावल दिया जाता था। गेहूं की उपलब्धता कम होने के कारण बीते दिनों ही नए आदेश जारी हुए हैं, जिनमें प्रति सदस्य को दो किलो गेहूं व तीन किलो चावल देने के आदेश हैं। इस नई व्यवस्था के कारण प्रदेश के कई जिलों की पीडीएस दुकानों को आवंटित होने वाले गेहूं का स्टाक आधा रह गया है, वहीं चावल का स्टाक तीन गुना बढ़ गया है।

गेहूं कम और चावल की मात्रा बढ़ाने के फैसले को कई पीडीएस दुकान संचालक सही नहीं मान रहे और इसके विवाद की जड़ बता रहे हैं। उनका तर्क है, कि कुछ जिलों के लोग चावल बहुत कम पसंद करते हैं। हजारों परिवार ऐसे हैं जो एक किलो चावल का भी उपयोग महीने में नहीं करते, ऐसे में उन्हें गेहूं की तुलना में चावल ज्यादा देने का फैसला सही नहीं है।

दूसरे जिलों से मंगवाना पड़ रहा गेहूं

कई जिलों में सरकारी गोदामों में गेहूं का स्टाक खत्म हो गया है, इसीलिए उन जिलों से गेहूं मंगवाना पड़ रहा है, जहां गेहूं की बंपर पैदावार हुई है। कुछ जिला प्रशासन ने प्रदेश शासन को पत्र लिखकर सितंबर महीने तक के लिए गेहूं दूसरे जिलों से दिलवाने की मांग की है। पिछले साल से सरसों के भाव में भारी बढ़ोतरी है, इसीलिए किसानों का मोह गेहूं की खेती से भंग हो गया है। गेहूं की कमी का असर इसके भाव पर भी दिखा था। छह महीने पहले 1800 रुपये क्विंटल में बिकने वाला गेहूं 2300 रुपये क्विंटल तक पहुंच गया, यही कारण था कि समर्थन मूल्य पर किसानों ने सरकार को एक दाना गेहूं नहीं बेचा, क्योंकि समर्थन मूल्य के दाम 2015 रुपये क्विंटल के थे और मंडी में 2300 रुपये क्विंटल में गेहूं बिका।

हमीदिया अस्पताल अधीक्षक प्रकरण:जांच दल में रजिस्ट्रार को शामिल करने से नर्सें नाराज

भोपाल। हमीदिया अस्पताल के अधीक्षक डा. दीपक मरावी पर 50 से ज्यादा नर्सों द्वारा लगाए अश्लीलता के आरोप की जांच भी सवालों के घेरे में आ गई है। भोपाल के संभागायुक्त गुलशन बामरा द्वारा चार दिन पहले बनाई गई पांच सदस्यीय जांच समिति में शनिवार को कालेज की रजिस्ट्रार और हमीदिया अस्पताल की पूर्व कोऑर्डिनेटर अमृता बाजपेई को भी शामिल कर लिया गया। शनिवार को जब पूछताछ के दौरान नर्सो ने अमृता वाजपेई को देखा तो उन्होंने बयान देने से ही मना कर दिया। शिकायत करने वाली नर्सें कक्ष से बाहर निकल आईं। उन्होंने कहा कि उनकी गोपनीयता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पीड़ित नर्सों ने अमृता को डा. दीपक मरावी का करीबी बताया।

प्रदेश में एक माह बाद भी स्नातक पाठ्यक्रमों में एक लाख से कम दाखिले

यूजी की साढ़े पांच लाख सीटें बची हैं

पीजी में 1,63,000 में 26,885 सीटों पर प्रवेश

भोपाल। प्रदेश के 1317 कालेजों में सत्र 2022-23 में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया चल रही है। प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुए एक माह से अधिक समय हो गया, लेकिन अब तक यूजी के प्रथम चरण की काउंसलिंग के बाद करीब 96 हजार सीटों पर प्रवेश हुए हैं, यानी अब तक एक लाख भी प्रवेश का आंकड़ा तक नहीं पहुंचा है।

यूजी की 6,26,019 सीटों पर प्रवेश देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने एक लाख 70 हजार विद्यार्थियों में से एक लाख 60 हजार विद्यार्थियों का अलाटमेंट जारी किया था। इसमें से 65 हजार विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के मुताबिक कालेज नहीं मिलने के कारण प्रवेश छोड़ना ही उचित समझा है।अब विभाग के पास यूजी की साढ़े पांच लाख सीटें बची हुई हैं। यूजी की रिक्त सीटों पर प्रवेश कराने के लिए विभाग कालेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) के तीन चरण से उम्मीद लगा रहा है। वहीं पीजी में 1,63,000 सीटों में से अब तक 26,885 सीटों पर प्रवेश हुए हैं। वहीं प्रदेश में 1317 कालेजों में 111 कालेजों में एक भी प्रवेश नहीं हुए हैं। 1206 कालेजों में प्रवेश हुए हैं। बता दें कि यूजी व पीजी के लिए 17 मई से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की गई है।

भाजपा में टिकट की बाट जोह रहे नेताओं ने की बगावत, आला नेता मनाने में जुटे

बागी नहीं माने तो पलट सकते हैं बाजीटिकट की बाट जोह रहे नेताओं ने की बगावत, आला नेता मनाने में जुटे, बागी नहीं माने तो पलट सकते हैं बाजी

ग्वालियर। नगरीय निकाय चुनाव के लिए शनिवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई और 569 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए जिसमें एक बड़ी संख्या कांग्रेस और बीजेपी के बागी प्रत्याशियों की है। अंतिम क्षणों में बीजेपी और कांग्रेस के टिकट की बाट जोह रहे असफल लोगों ने सूची जारी होते ही फटाफट तैयारी की और निर्दलीय अपना नामांकन जमा कर अपने -अपने अधिकृत प्रत्याशियों को मुसीबत में डालकर उनकी ध?कने ते? कर दीं। कांग्रेस के 50 नेताओं ने बगावत की तो बीजेपी के इससे दुगने से भी ज्यादा यानी 109 नेताओं ने बागी होकर अपने नामांकन डाल दिये ।

कांग्रेस के 50 बागी

टिकट वितरण में पक्षपात के आरोप कॉग्रेस में भी है। जिला कांग्रेस के दो पदाधिकारी और एक मण्डलम का पदाधिकारी टिकट सूची जारी होने से पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं जबकि टिकट न मिलने से नाराज वार्ड 66 के दावेदार संजय बघेल ने अपने समर्थकों के साथ जिला कांग्रेस कार्यालय पर जमकर हंगामा किया। इस दौरान उनकी जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेंद्र शर्मा से नोक झोंक भी हुई थी। अंतिम क्षणों में कांग्रेस के 32 विद्रोहियों ने अपने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिए । वार्ड 18 में कांग्रेस के पांच बागियों ने पर्चे भर दिए। अनेक वार्डो में एक से लेकर चार तक बागी मैदान में कूद पड़े है। एक आंकड़े के अनुसार कॉग्रेस के पचास नेताओ ने बगावत करके अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ पर्चे भरे हैं।

बीजेपी में ज्यादा बगावत

कई दशको से ग्वालियर नगर निगम पर बीजेपी का कब्जा है सो उसमे टिकट के दावेदारों की संख्या भी ज्यादा थी। उस पर भी लगभग 18 टिकट बीजेपी कार्यकर्ताओं के खाते से सरककर कांग्रेस से आये केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया।

(नगर निकाय चुनाव के केन्द्रीय कार्यालय का शुभारंभ)

भाजपा हमारा विचार है और कमल का फूल हमारा प्रत्याशी : शिवप्रकाश

भाजपा कार्यकर्ता के आधार पर विचार करती है - नरेन्द्र सिंह तोमर

ग्वालियर। ग्वालियर के विकास में अगर चांद लगाने है तो आपको भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा एवं भाजपा प्रत्याशियों को सभी वार्डों को भारी बहुमत से विजयी बनाना है और देश के प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के हाथ मजबूत करने है। यह बात केन्द्रीय चुनाव कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा हमारा विचार है और कमल का फूल हमारा प्रत्याशी। एक-एक मतदान केन्द्र कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में पूरी मेहनत से लग जाये। उन्होंने कहा स्व. कुषभाउ ठाकरे का यह जन्मशताब्दी वर्ष है। उनकी स्मृति को याद करते हुये प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन कार्य में लगाना और उनसे कार्य लेना ही हमारा दायित्व है। उन्होने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार ने गरीबां का उत्थान किया है, देश का ढांचागत विकास हुआ है। हमारी विदेश नीति को ऐतिहासिक सफलता मिली है। देश में आंतरिक सुरक्षा और बाहरी सुरक्षा पर मोदी सरकार ने बहुत कार्य किया। देश में विकास की जो बहार चली है। ग्वालियर में रूकावट न बन जाये, इसके लिये भाजपा प्रत्याशियों का जीतना ग्वालियर में अनिवार्य है।

उन्होने कहा कि हमारे प्रेरणा स्त्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी एवं देश के प्रधानमंत्री मा. नरेन्द्र मोदी जी है। इसलिये समस्त कार्यकर्ता पुरजोर ढंग से भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिये लग जाये।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हम सब कार्यकर्ताओं का सौभाग्य है कि इस कार्यक्रम के निमत मा. श्री शिवप्रकाश जी का आगमन हुआ है। उन्होंने कहा कि श्रीमती सुमन शर्मा पिछले काफी वर्षों से भाजपा का कार्य कर रही है। उनके पतिदेव स्व. श्री यशवीर शर्मा एक सक्रिय कार्यकर्ता थे। वह हमारे बीच में नहीं है। श्रीमती सुमन शर्मा को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया उससे यह सिद्ध होता है कि भाजपा कार्यकर्ता के आधार पर विचार करती है। ग्वालियर भाजपा का ग? रहा है। हमारे पूर्वजों ने जनसंघ में कार्य कर जनसंघ के काम को आगे ब?ाया। ग्वालियर से स्व. नारायण कृष्ण शेजवलकर जनसंघ के देशभर के पहले महापौर थे। तब से लेकर आज तक यह सिलसिला जारी है। किसी जमाने में ग्वालियर में स?को पर ट्यूब लाइट नहीं थी। स्व. शेजवलकर ने ग्वालियर में जो विकास किया वह आजतक जारी है। आज कल ग्वालियर बदला बदला नजर आ रहा है। हर क्षेत्र में विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन में एक बार जो फैसला हो जाए, तो कार्यकर्ता व्यक्ति के साथ नहीं कमल के साथ ख?ा हो जाता है। मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि सुमन शर्मा एवं भाजपा पार्षद प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाए।

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं - जयभान सिंह पवैया

महाराष्ट्र के सहप्रभारी श्री जयभान सिंह पवैया ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। कांग्रेस विकास की बात नहीं कर सकती है। विकास कहीं मुद्दा नहीं बन जाए, इसलिए वह प्रयासरत है। उन्होने कहा मतदान 6 जुलाई को है, 6 जुलाई का एक ऐतिहासिक महत्व है। जहां बलिदान हुये मुखर्जी, वह कष्मीर हमारा है। इसलिए एक एक वोट महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा एवं भाजपा पार्षद प्रत्याशियों के मिले। यहीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के लिये हम सबकी सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। उन्होंने कहा जब श्रीमती सुमन शर्मा को संगठन ने प्रत्याशी बनाया तो हर भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजनों के मुख से यही निकला कि भाजपा संगठन ने एक बेहतरीन कार्यकर्ता को प्रत्याषी बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

मुनिश्री विनय सागर महाराज चेतकपुरी जैन मंदिर पहुँचे

क्रोध से बचने के लिए हर परिस्थिति का सामना शान्तिं से करे: मुनिश्री

ग्वालियर। व्यक्तित्व के विकास में अवरोधक बनता है तो क्रोध बनता है। क्रोध से व्यक्तित्व का हास होता है। क्योंकि क्रोध घर परिवार जीवन को नरक बना देता है। व्यक्तित्व विकास तो स्वर्ग की और ले जाने वाला है। आशय स्पष्ट करते कहा जहां सहृदयता, प्रेम, वात्सलय, क्षमा दया हो। यह अपने आप में व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण तत्व होते है। क्रोध क्या है यह जानना आवश्यक है। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज रविवार को चेतकपुरी में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि क्रोध का अर्थ है प्रतिकूल स्थिति में आने वाला आवेग। जब हमारे जीवन मे प्रतिकूल परिस्थिति बनती है तो आवेग आ जाता है उसे क्रोध कहते है। इससे बचना बहुत जरूरी है। इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है प्रतिकूल परिस्थितियो मे मनः स्थिति को एक साथ बनाए रखे। जिसकी मन की स्थिति एक सी बनी रहती है। वह क्रोध का निमित्त बनता है तो अविरल रूप से बच जाता है। अतः प्रत्येक परिस्थिति का सामना शान्तिपूर्वक ढंग से करे। दूसरा उपाय आत्म निरीक्षण करे। और विचार करे क्रोध करने से हमारे लिए क्या लाभ है? क्या हानि है। कुछ लॉग कहते है क्रोध करने से हमारा काम बन जाता है। लेकिन मैं कहता हूं पुण्य की वजह से हमारा काम बनता है।

मुनिश्री चेतकपुरी जैन मंदिर दर्शनो के लिए पहुँचे
जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज रविवार को माधोगंज से पद विहार कर चेतकपुरी स्थित दिगंबर जैन मंदिर पहुचे। मुनिश्री की आगवानी जैन समाज के लोगो ने की। मुनिश्री ने मंदिर में विराजे भगवान जीनेद्र के दर्शन कर वंदना की। मुनिश्री शहर के अलग अलग जैन मंदिरों के दर्शनों व चातुर्मास में मंदिरो के अध्यक्ष मंत्री को धर्म प्रभावन के लिए जो? रहे है।

कामना और बंधन ही दुख का कारण
मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य जब इस संसार में जन्म लेता है तब वह पूर्णतः निष्पाप, निष्कपट और राग-द्वेष से रहित होता है, लेकिन वह समाज के प्रदूषित माहौल और कुसंगति के चलते दूषित कामनाओं के जाल में उलझ जाता है। ऐसी दूषित कामनाएं ही मनुष्य को पाप की और अग्रसर करती हैं। महाभारत के शातिपर्व में कहा गया है कि कामना ही बंधन है और दूसरा कोई बंधन नहीं है। जो कामना के बंधन से छूट जाता है, वह ईश्वरानुभूति करने में समर्थ हो जाता है।

भाजपा विकास के लिए दृढ़ संकल्पित : सुमन शर्मा

ग्वालियर। भाजपा की महापौर पद के प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने आज जनसंपर्क के दौरान कहा कि डबल इंजन की सरकार महानगर के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने इस दौरान आज वार्ड क्रमांक 18, 19 और 20 में सघन जनसंपर्क किया गया। जनसंपर्क के दौरान भाजपा की महापौर पद की प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने वार्ड क्रमांक-18 दीनदयाल नगर में सघन जनसंपर्क किया। क्षेत्रीय लोगों ने उनका आत्मीय और पुष्प वर्षा कर भावभीना ने स्वागत कर उन्हें अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। दीनदयाल नगर में वयोवृद्ध श्री मातादीन गुर्जर ने उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया। जनसंपर्क के दौरान वार्ड क्रमांक-18 की प्रत्याशी रेखा त्रिपाठी, बीज विकास निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, मंडल अध्यक्ष हरिओम झा, कुलदीप चतुर्वेदी, सतपाल भदौरिया, रणविजय कुशवाह, सुशील तोमर, जुगल गुर्जर, उत्तम चैहान, जय बाथम, किरण भदौरिया, बलराम सिंह बघेल, कंचन जैन आदि उपस्थित थे। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक-19 में भाजपा महापौर पद की प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने आस्तिक देव नगर में आत्मीय जनसंपर्क संपर्क किया।

बदलाव की हवा चल रही है : डॉ. शोभा सिकरवार

कॉग्रेस की महापौर उम्मीदवार ने विभिन्न वार्डो में जनसंपर्क

ग्वाल्यिर। कांग्रेस पार्टी से नगर निगम में महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सर्वहारा वर्ग के उत्थान, विकास व प्रगति की बात करती है। हमने कौरोना काल में घर-घर जाकर हर संभव मदद की है। आपके दुखः-सुख में परिवार के सदस्य के रूप में मेरा परिवार एवं मैं साथ रहती हॅू। हमने हमेशा गरीबों, शोषित, पीड़ितों की आवाज बनकर आपके बीच काम किया है। मुझे जनसम्पर्क के दौरान आप सबका जो स्नेह-प्यार और आर्शीवाद मिल रहा है, वो इस बात का परिचायक है कि बदलव की हवा चल रही है। यह बात महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार ने वार्ड 58 में हरिशंकरपुरम एवं वार्ड 45 में जनसम्पर्क के दौरान आमजनों से चर्चा करते हुये कही।

कांग्रेस पार्टी के तमाम महिल्र, पुरूष एवं युवाओं के साथ कांग्रेस उम्मीदवार डॉ.शोभा सिकरवार ने हरीशंकरपुरम एवं नया बाजार चौराहा स्थित भैरों बाबा मंदिर पर पार्टी कार्यकर्ता एकत्रित हुए और क्षेत्र में सघन् जनसम्पर्क किया। आमजनों ने जगह-जगह पुष्प-वर्षा कर, तिल्क ल्गाकर आत्मीय स्वागत कर, सर पर हाथ रखकर आर्शीवाद दिया। ''अबकी बार, शोभा सिकरवार'' के नारे जनसम्पर्क में गूंजते रहे। कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि विकास व प्रगति हमारा ध्येय रहा है। हमने काम किया है और ग्वाल्यिर को सुन्दर और विकसित शहर बनाने में कोई कसर नही छोडेंग़े। हम सर्वहारा वर्ग के विकास की बात करते है। वही दूसरे दल झूठ बोल्ने की राजनीति करते है, इनसे सावधान रहने की आज जरूरत है। उन्होंने भाजपा सरकार की गल्त नीतियों पर प्रहार करते हुये कहा कि गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी सभी वर्ग मंहगाई व बैरोजगारी से परेशान है। रोजगार मिल नही रहा है। खाद्यान्न पदार्थ मंहगे होते जा रहे है। आम आदमी का जीना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनता त्रस्त है और भाजपा के मंत्री व नेता मस्त है, उन्हें मंहगाई और बैरोजगारी नजर नही आ रही है। उन्होने कहा कि कांग्रेस की जीत से ही क्षेत्र के विकास के द्वार खुल्रेंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478